कमल संदेश
ikf{kd if=dk

संपादक

प्रभात झा, सांसद

कार्यकारी संपादक

डॉ. शिवशक्ति बक्सी

संपादक मंडल

सत्यपाल
संजीव कुमार सिन्हा

कला संपादक

धर्मेन्द्र कौशल
विकास सैनी

सदस्यता शुल्क

वार्षिक : 100/-
त्रि वार्षिक : 250/-

संपर्क

InL;rk : +91(11) 23005798
Qku (dk-) : +91(11) 23381428
QDI : +91(11) 23387887

ई-मेल

kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं मुद्रक : डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, के लिए एक्सेलप्रिंट, सी-36, एफ.एफ. कॉम्पलेक्स, झण्डेवालान, नई दिल्ली-55 से मुद्रित करा के, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित किया गया। सम्पादक - प्रभात झा

विषय-सूची

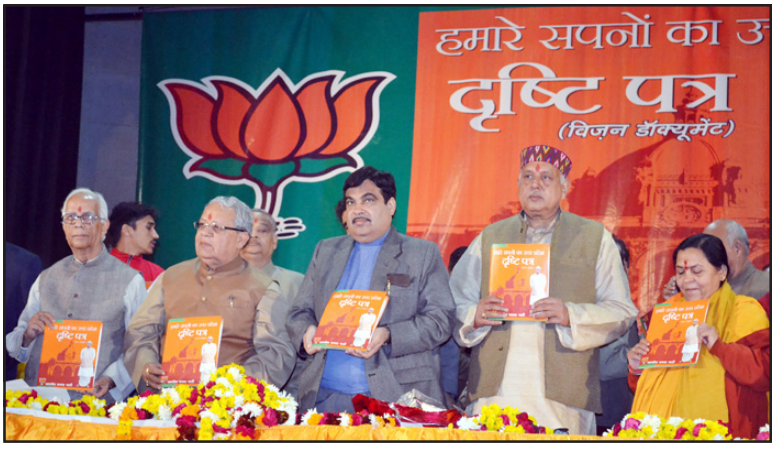

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर 16 जनवरी 2011 को लखनऊ में भाजपा के "दृष्टि पत्र" का विमोचन करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी, साथ में वरिष्ठ भाजपा नेता श्री केसरी नाथ त्रिपाठी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कलराज मिश्र, प्रदेश अध्यक्ष श्री सूर्य प्रताप शाही एवं सुश्री उमा भारती।

विधानसभा चुनाव

उत्तर प्रदेश..... 7
पंजाब..... 19
उत्तराखंड..... 21

साक्षात्कार

श्री नितिन गडकरी..... 15
श्री राजनाथ सिंह..... 17

लेख

एक युगान्तरकारी प्रकाशन
लाल कृष्ण आडवाणी..... 24

प्रदेशों से

दिल्ली : स्वामी विवेकानन्द की 150वीं जयन्ती समारोह..... 27
आ.प्र. : भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष की 'तेलंगाना पोरू यात्रा'..... 28
मध्य प्रदेश : बलराम-शिवराज संदेश यात्रा..... 29

बोध कथा

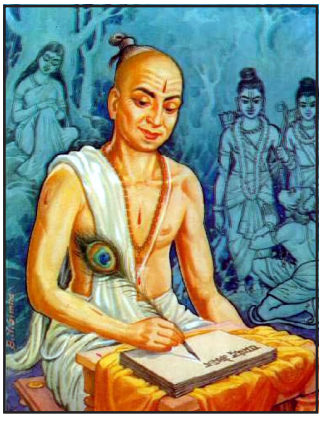

तुलसी के वचन

एक बार तुलसीदास जी रात में जंगल से गुजर रहे थे। उन्हें चोरों ने घेर लिया। उनके सरदार ने तुलसीदास से पूछा – तू कौन है? इधर क्यों आया है? सारे चोर मिलकर तुलसीदास को डराने – धमकाने लगे। लेकिन वे जरा भी नहीं डरे। उन्हें इस तरह निडर देख चोरों ने सोचा कि अगर यह साधारण व्यक्ति होता तो भाग जाता। जरूर यह भी हमारे जैसा ही है। चोरों ने उन्हें अपना साथी बना लिया। तुलसीदास उनके साथ चल पड़े। चोर चोरी करने के लिए एक घर में घुसने लगे। उन्होंने तुलसीदास से कहा – ऐ नए चोर! देख, हम लोग भीतर घुसते हैं। अगर कोई आए तो तू आवाज लगा देना। तुलसीदास ने स्वीकृति में सिर हिला दिया।

चोर ज्यों ही चोरी करने के लिए घर में घुसे, त्यों ही तुलसीदास ने अपने झोले से शंख निकालकर बजा दिया। सब चोर भागकर आ गए। पूछने पर तुलसीदास बोले – आपने ही तो कहा था कि कोई देखे तो आवाज लगा देना। आवाज करता तो कोई मेरा गला दबा देता। इसलिए शंख बजा दिया। चोर बोले – परंतु यहां तो कोई नहीं हैं जो हमें देखता? तुलसीदास बोले – जो सर्वव्यापक हैं, सर्वत्र हैं, जो मेरे हृदय में विराजमान हैं, वही आप लोगों के हृदय में भी विराजमान हैं, मुझे लगा कि जब सब जगह श्रीराम हैं तो वे आप लोगों को भी देख रहे हैं, वे आप लोगों को सजा देंगे। कहीं आप लोगों को सजा न मिल जाए इसलिए मैंने शंख बजा दिया। तुलसीदास के वचन सुनकर चोरों का मन पलट गया और वे सदा के लिए चोरी का धंधा छोड़कर प्रभु के भक्त बन गए।

संकलनः लखविन्दर सिंह

साभार नवभारत टाईम्स

व्यंग्य चित्र

सभी सुधी पाठकों को कमल संदेश परिवार की ओर से वसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

हमें लिखें...

सम्पादक के नाम पत्र

कमल संदेश

सादर आमंत्रित

आपकी राय एवं विचार

सम्पादक,
कमल संदेश
डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66
सुब्रह्मण्य भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003
ई-मेलः
kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रिय पाठकगण

कमल संदेश (पाक्षिक) का अंक आपको नियमित मिल रहा होगा। यदि किन्हीं कारणवश आपको कोई अंक प्राप्त न हो रहा हो तो आप अपने प्रदेश कार्यालय को या हमें अवश्य सूचित करें।

-सम्पादक

सम्पादकीय

उत्तर प्रदेश के सुनहरे भविष्य के लिए जरूरी है भाजपा

Hkkरत अपनी पैनी निगाह से अपने सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की ओर देख रहा है। जबकि इसके साथ ही चार राज्यों – उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा विधानसभा के चुनाव भी हो रहे हैं। सवाल उठता है उत्तर प्रदेश पर ही निगाह क्यों? सारा देश यह जानता है कि उत्तर प्रदेश भारतीय राजनीति को दिशा देने वाला प्रदेश है। पिछले कुछ वर्षों से यह प्रदेश दिशा देने के बजाय स्वयं राजनीति की चौसर पर दिशाहीन हो रहा है। आज आवश्यकता है कि उत्तर प्रदेश आगामी चुनाव में दिशाहीन होने के बजाय राष्ट्र को दिशा देने का कार्य करे। और यह तभी संभव होगा जब उत्तर प्रदेश जातीयता और क्षेत्रीयता से उपर उठकर राष्ट्रीयता के लिए आगे बढ़ेगा। पिछले विधानसभा चुनाव में बिहार ने इस मसले पर अगुआई कर देश को रास्ता दिखाने का काम किया। उत्तर प्रदेश भारत का गौरव है। यहीं विश्व की सबसे प्राचीन नगरी काशी है जहाँ के कण–कण में बाबा विश्वनाथ विराजमान हैं तो यह मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचन्द्र एवं भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि और तपोस्थली भी है। हमारे वैचारिक प्रेरणास्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पावन जन्मभूमि है उत्तर प्रदेश। पंडित जवाहरलाल नेहरू और प्रखर राष्ट्रवादी अटल बिहारी वाजपेयी सहित देश के अधिकांश प्रधानमंत्री इसी प्रदेश से बने। ऐसे तमाम आध्यात्मिक और राजनीतिक विभूतियों वाले प्रदेश की प्रतिष्ठा लोकतांत्रिक रूप से बढ़नी ही चाहिए। अतः इन सब बातों पर नजर डालते हैं तो आगामी चुनाव स्वयं में ही महत्वपूर्ण हो जाता है।

सपा की सत्ता को लोगों ने गुंडाराज निरूपित किया था और बसपा भ्रष्टाचार के साम्राज्य को फैलानेवाली सत्ता के रूप में सामने आई। प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति तो आज भी बिहार जैसी ही लग रही है। हालांकि मां–बेटे की पार्टी दम मारने में लगी है पर दम हो तब न मारे। बेदम कांग्रेस अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। बात रही भाजपा की तो श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन के बाद पार्टी को अच्छा अवसर मिला था। यह अवसर परिणाम में परिणत हुआ। लेकिन राजनीतिक घटनाक्रम इतनी तेजी से बदला कि भाजपा को एक समय बसपा को समर्थन करना पड़ा। बसपा ने एक नहीं दो–दो बार धोखा दिया। यह धोखा भाजपा को नहीं, उत्तर प्रदेश की जनता के साथ किया गया। हालांकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी ने इस बार साफ तौर पर कहा है कि हम जो करेंगे, अकेले दम पर करेंगे। यही कारण है कि पार्टी पूरे प्रदेश में दम–खम के साथ चुनावी समर में है।

भाजपा के लिए उत्तर प्रदेश एक चुनौती भी है और अवसर भी। यह ऐसा समय है जब भाजपा और उसके समविचारी संगठनों को एक साथ खड़ा होना होगा क्योंकि उत्तर प्रदेश की आज पहली आवश्यकता है कि राजनीति जातीयता और क्षेत्रीयता के जबड़े से बाहर निकल राष्ट्रीयता के सुगम मार्ग पर आए। भाजपा कार्यकर्ता को परिवर्तन की मशाल लेकर मैदान में उतरना होगा। इस मशाल से यज्ञ रूपी मतदान में समिधा बनना होगा। उत्तर प्रदेश में भाजपा को अपनी स्थिति पुनः सुदृढ़ करने

का सुअवसर है। भाजपा नेतृत्व और उनके कार्यकर्ताओं को किसी भी प्रकार का रिस्क नहीं लेना चाहिए।

आज आलम यह है कि बसपा सरकार के प्रति लोगों में बेहद आक्रोश है। सपा से भय है तो कांग्रेस से कोई उम्मीद नहीं है। ऐसे में भाजपा के पास एक सुनहरा अवसर है अपनी राष्ट्रवादी विचारधारा से जनविश्वास जीतने का। प्रदेश की जनता को भी लोकतंत्र की परीक्षा सूझ–बूझ से देनी होगी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव परिणाम में आनेवाली पीढ़ियों के भविष्य छुपे हुए हैं।

अब तक आई जानकारी के अनुसार जो जनस्वर लहरियां हैं उससे तो यही ध्वनित हो रहा है कि उत्तर प्रदेश सत्ता परिवर्तन की छटपटाहट में है। जनता को तो बस यह भरोसा चाहिए कि उनकी जिंदगी की सुरक्षा की गारंटी कौन लेगा?

जिस तरह भाजपा शासित गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तराखंड, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और पंजाब में लोगों ने अपनी आंखों से समाजजीवन में आए व्यापक सुधार को देखा है उससे इस बात की गारंटी दी जा सकती है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को मौका मिला तो वह भारत के इस सबसे बड़े राज्य की तकदीर और तस्वीर बदलने में निश्चित रूप से सक्षम साबित होगी। ■

भाजपा मुख्यालय में धूमधाम से मना मकर सक्रांति और पोंगल पर्व

नई दिल्ली में मकर संक्रांति और पोंगल समारोह बड़े धूमधाम से मनाया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इन त्यौहारों के अवसर पर 16 जनवरी 2012 को चूड़ा–दही और लिट्टी–चोखा के स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते हुए मनाए। संसदीय लोक–लेखा समिति के अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी, बिहार भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद श्री सीपी ठाकुर, भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री श्री रविशंकर प्रसाद, भाजयुमो राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनुराग ठाकुर, लोकसभा सांसद राधारमन सिंह, बिहार सरकार के मंत्रीगण श्री अश्विनी चौबे, श्री नंद किशोर यादव, बिहार प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष श्री संजय मयूख, श्री विवेक ठाकुर सहित भाजपा के राज्य एवं राष्ट्रीय नेताओं ने समारोह में भाग लिया। लगभग 3000 लोग इस अवसर पर उपस्थित थे, जिनमें पार्टी के कार्यकर्ता, वरिष्ठ नेता, पत्रकार और लेखक भी थे। संक्रांति सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। पारम्परिक रूप से यह भारत में कई फसल काटने के अवसर का त्यौहार होता है। भारत के वृहद् भूगोल और विविध संस्कृति के कारण इस समारोह के मनाने के अनेक कारण हैं और अनेक प्रकार भी हैं जो जलवायु, कृषि पर्यावरण, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और स्थिति–निर्धारण पर निर्भर करते हैं। ■

भाजपा का सपना
नया उत्तर प्रदेश – सर्वोत्तम उत्तर प्रदेश

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी जी द्वारा 16 जनवरी 2012 को जारी किये गए 'विजन डॉक्युमेंट' के मुख्य बिंदु

Hkkरतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी जी ने पार्टी के दृष्टि पत्र का एक भव्य समारोह में विमोचन किया।

श्री नितिन गडकरी ने अगस्त 2011 में लखनऊ में हुए पार्टी की केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में यह घोषणा की थी कि पार्टी उत्तर प्रदेश के स्वर्णिम भविष्य व समग्र विकास के लिए एक दृष्टि पत्र तैयार करेगी। उनके इस संकल्प की पूर्ति इस दृष्टि पत्र "हमारे सपनों का उत्तर प्रदेश – नया उत्तर प्रदेश – सर्वोत्तम उत्तर प्रदेश" के विमोचन के माध्यम से हुई है। दृष्टि पत्र को श्री केशरी नाथ त्रिपाठी (पूर्व विधानसभा अध्यक्ष) के नेतृत्व में 24 सदस्यों कि एक समिति नें बनाया है।

पार्टी के दृष्टि पत्र के सार को इन शब्दों में व्यक्त किया जा सकता है – "संतुलित विकास की एक परिकल्पना जिसमें सबको सुरक्षा, सबकी सम्पन्नता व सामाजिक असंतुलन रहित प्रदेश के पुनरोत्थान व कला, संस्कृति व अध्यात्म के गौरवशाली ऐतिहासिक धरोहर की पुनः प्राप्ति"। पार्टी का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को सुशासन, विकास व सामाजिक समरसता के रास्ते देश के अग्रिम पंक्ति के राज्यों स्थापित करना है।

हमारी प्रतिबद्धता:

न उगाही न गुंडई, न महंगाई न भ्रष्टाचार, न शोषण न कुपोषण, पारदर्शिता, दूरदर्शिता होगी साकार, हम देंगे साफ–सुथरी सरकार

उत्तर प्रदेश का गौरवशाली अतीत उत्तर प्रदेश देश का मर्मस्थल है। भारत और दक्षिण एशिया का दीपक है। अध्यात्म में प्रबल। भक्ति आन्दोलन और स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी, कला और संस्कृति का संगम। गंगा जमुनी तहजीब की पहचान। राष्ट्रीय एकता की श्रद्धाभूमि है। फिर भी आज उत्तर प्रदेश कंगाल बना हुआ है।

उत्तरप्रदेश का कुरूप वर्तमान बिजली का संकट अत्यंत दयनीय है। किसान त्रस्त। छात्र त्रस्त। हर यू. पी. वासी त्रस्त। 55 प्रतिशत गांवों में अभी तक पक्की सड़क नहीं है। बाल–मृत्युदर, मातृ–मृत्युदर, ग्रामीण स्वच्छता, अंधापन और शारीरिक विकलांगता के आंकडे निम्न स्तर पर है। किसान व बुनकर आत्महत्या कर रहे है। रोजगार के लिए यू.पी. वासी प्रदेश छोड के जा रहे है। प्रदेश प्रतिभा की दृष्टि से बंजर होता जा रहा है।

भाजपा के सपनों के उत्तर प्रदेश में स्वयं के महिमामंडन की इस प्रवृत्ति का कोई स्थान नहीं है। मायावती द्वारा बनाये गए तमाम स्मारकों और पार्कों में संत कबीर, संत रविदास, उदा देवी, बिजली पासी, झलकारी बाई जैसे सभी जाति–समाज की महान विभूतियों की प्रतिमाओं को स्थापित करने का कार्य भाजपा करेगी। सरकारी संस्थान एवं योजनाएं बसपाईयों की निजी संपत्ति नहीं हो सकती है।

उत्तर प्रदेश बीमारू प्रदेश नहीं, जुझारू प्रदेश है। सर्वोत्तम प्रदेश बनने की सभी संभावनाए इसमें निहित हैं।

& vVy fcgkjh okti;h

"विकास और सुशासन के बिना सामाजिक न्याय संभव नहीं है। सामाजिक न्याय के बिना विकास अधूरा और असंतुलित रहेगा तथा लोकतांत्रिक शासन कमजोर होगा। प्रदेश में पिछले दशक के शासनकर्ताओं ने सामाजिक न्याय के नारे तो खूब लगाये परन्तु विकास और सुशासन को तिलांजलि दे दी। भाजपा विकास, सामाजिक न्याय और साफसुथरा शासन – इन तीनों आदर्शों के लिए समान और समग्र रूप से प्रतिबद्ध है।"

&fufru xMdjh

सुशासन एवं स्वच्छ राजनीति:

कार्यक्षम, पारदर्शी, संवेदनशील एवं जवाबदेह सरकार, प्रशासन जनता की सेवा के लिए, और जनता प्रशासन की मालिक, शासन व्यवस्था का विकेन्द्रीकरण, सशक्त पंचायत एवं नगरपालिका, पुलिस थानों एवं सरकारी कार्यालयों में सपा व बसपा द्वारा किये गए जातिवाद का खात्मा।

गाजियाबाद से गाजीपुर, बांदा से बहराइच तक फैले मायावती के हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचारी साम्राज्य का उन्मूलन, गुजरात की तर्ज पर भ्रष्टाचार मुक्त शासन भ्रष्टाचारियों की सम्पत्ति जब्त करना, सिटीजन चार्टर लागू करना, नागरिक समस्याओं का समयबद्ध समाधान।

हर हाथ को काम, हर खेत को पानी, हर व्यक्ति का विकास, हर गांव नगर में खुशहाली, विरासत और आधुनिकता का हो संगम, तंत्र–ज्ञान और आत्म–ज्ञान का हो मिलन, समृद्धि और संस्कृति का हो समन्वय, हर मोर्चे पर उत्तर प्रदेश की हो जय।

सामाजिक समरसता के साथ सामाजिक न्याय :

सब जाति समान, सब जाति महान। दलित, अति दलित, पिछड़े, अति पिछड़े, वनवासी तथा समाज के सभी वर्गों के लिए सत्ता, संपत्ति और सम्मान (POWER, PROPERTY & PRESTIGE) में समान भागीदारी।

अल्पसंख्यकवाद का विरोध, मुस्लिमों के लिए न्याय और सुरक्षा की गारंटी: कांग्रेस, सपा और बसपा अपने क्षुद्र लाभ के लिए मुस्लिम भाईयों को भाजपा के प्रति झूठा डर दिखा कर समाज को विभाजित कर रहे हैं।

विजन को साकार करने के लिए हमारा मिशन

- कृषि, पशुपालन, ग्रामीण बुनियादी ढांचा और समग्र ग्रामीण अर्थव्यस्था का कायाकल्प, किसानों को उत्पाद की लागत पर 20 प्रतिशत लाभ, 24 घंटे बिजली। गुजरात के ज्योतिग्राम योजना के अंतर्गत हमने कर दिखाया है।
- गन्ना उत्पादकता को औसत 100 से 125 टन प्रति एकड बढ़ाना। किसानों की आय में प्रति वर्ष 10,000 करोड़ रुपये की वृद्धि।
- गन्ना मिलों में 6000 मेगा वाट बिजली उत्पादन। कोल्ड स्टोरेज तथा गोदामों का जाल। सभी गांव को पक्की सडकों से जोड़ना। हर परिवार को पक्का घर उसमे शुद्ध पानी और शौचालय की व्यवस्था।
- ऐ.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा प्रस्तुत Provision of Urban Amenities in Rural Areas (पूरा) योजना को लागू करना।

शहरी विकास

- प्रदेश के प्रत्येक बड़े छोटे शहर के लिए भविष्योन्मुखी मास्टर प्लान। आज के अस्त व्यस्त शहरीकरण पर रोक। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, इलाहाबाद, आगरा, गोरखपुर, सहारनपुर जैसे बड़े शहरों में मेट्रो परिवहन तथा रैपिड ट्रांसपोर्ट की योजना। प्रत्येक गरीब तथा मध्यम वर्ग के परिवार के लिए कम दाम में बेहतरीन आवास की गारंटी।

बुनियादी ढांचा

- 10 अल्ट्रा मेगा पॉवर प्रोजेक्ट के द्वारा 20,000 मेगावाट अधिक बिजली का उत्पादन। हर गांव, शहर और उद्योग में सौर ऊर्जा को प्रोत्साहन। पूरे प्रदेश में विश्वस्तरीय राजमार्गों का जाल। 4 अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तथा 10 राष्ट्रीय हवाई अड्डे। सभी शहरों में मलिन जल के लिए ट्रीटमेंट प्लांट।

औद्योगीकरण

- कानपुर सहित सभी उद्योग केन्द्रों का पुनर्विकास। हथकरघा एवं हस्तशिल्प उद्योगों का आधुनिकीकरण।
- उद्योगों को 24 घंटे बिजली। दलित, अति दलित, पिछड़े तथा अति पिछड़े वर्गों में उद्यमिता को प्रोत्साहन।

सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology)

सभी यूपीवासियों का आईटी से नाता, हर गरीब परिवार के लिए खुलेगा ई–विकास का रास्ता, आईटी में होगा हिंदी का बोलबाला, हर गांव होगा तेज ब्राडबैंड वाला, सुनिश्चित होंगे लाखों रोजगार के नये अवसर, ई–शासन से

खुलेगा, सुशासन का द्वार।

,d djkM+ jkstxkj ds u, volj ksa dk fuekZ.k % Ñf"k vkSj Ñf"k vkèkkfjr m|ksxA gFkdj?kk % gLrf'kYiA lspuk çks|ksfxdhA lsok {ks= ¼**Services Sector**½A vkèkkfud eYVhQSDpfjax {ks=A

सबके लिए स्वास्थ्य:

उपचार केंद्रित स्वास्थ्य (Curative Healthcare) व्यवस्था के बजाय रोकथाम केंद्रित स्वास्थ्य (Preventive Healthcare) व्यवस्था पर जोर दिया जायेगा। आयुर्वेद, योग तथा अन्य भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को प्रोत्साहन। ग्रामीण सेवा के लिए 3 वर्ष का विशेष डाक्टरी पाठ्यक्रम। हर जिले में मेडिकल कॉलेज।

सर्व शिक्षा समग्र शिक्षा

प्राथमिक से विश्वविद्यालय तक संख्यात्मक व गुणात्मक वृद्धि। रोजगारोन्मुखी व्यावसायिक शिक्षा को प्राथमिकता। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि विज्ञान की शिक्षा पर बल। गरीब विद्यार्थियों विशेषकर छात्राओं के लिए छात्रावास की सुविधा।

पर्यटन

- वाराणसी के आस पास आध्यात्मिक पर्यटन, बुंदेलखंड, ब्रज, अवध, नदी पर्यटन, साहस पर्यटन आदि नये पर्यटन सर्किटों का विकास
- राष्ट्र भक्ति के तीर्थ स्थानों का विकास
- आगरा लखनऊ व वाराणसी का अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सिटी के रूप में विकास

महिला व बाल कल्याण

- बालमृत्यु–मातृ मृत्यु दर को न्यूनतम स्तर तक लाना
- कुपोषण को पूर्णतः समाप्त करना
- महिलाओं को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान की गारंटी
- मध्य प्रदेश सरकार के तर्ज पर लाडली लक्ष्मी योजना का क्रियान्वन इसके अंतर्गत स्कूल जाने वाली प्रत्येक बालिका को 18 वर्षों के बाद 2 लाख रूपये
- पंचायतों में 50 प्रतिशत आरक्षण

पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास के लिए 'बिहार मॉडल'

- ऐतिहासिक व सांस्कृतिक रूप से बिहार पूर्वांचल का प्रतिबिम्ब है
- सुशासन व विकास के द्वारा बिहार आज अपने खोये हुए मान सम्मान को पुनः प्राप्त कर रहा है।
- इसको हम उत्तर प्रदेश विशेषतः पूर्वांचल में कर दिखायेंगे

बुंदेलखंड के विकास के लिए 'इसराएल मॉडल'

- बुंदेलखंड की सबसे बड़ी समस्या ——— पानी की कमी
- इसराएल नें मरुभूमि को नंदनवन में परिवर्तित किया है। इस को हम बुंदेलखंड में कर दिखायेंगे।
- हमारा लक्ष्य होगा पानी की हर बूँद से अधिकाधिक फसल (More Crop Per Drop)
- बुंदेलखंड में राजस्थान से अधिक संख्या में हेरिटेज साईट्स। पर्यटन के लिए बड़ी क्षमता।

çns'k dh Hkk"kk] laLÑfr] dyk o lkfgR; dk çkRlkgu o iqufoZdkl

उत्तर प्रदेश नें हमेशा अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से पूरे देश को लाभान्वित किया है। इसी गौरवशाली धरोहर की पुनःस्थापना हमारा दायित्व व प्रतिबद्धता होगी। ■

कांग्रेस बताए कश्मीर में हिन्दुओं की वापसी के लिए उसकी क्या योजना है?

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व सांसद श्री तरुण विजय द्वारा 19 जनवरी 2012 को जारी प्रेस विज्ञप्ति

आज से 22 वर्ष पूर्व 19 जनवरी, 1990 को कश्मीर घाटी में मस्जिदों से ऐलान करके और दीवारों पर पोस्टर चिपकाकर लाखों देशभक्त भारतीय नागरिकों को घाटी से निकाल दिया गया था, क्योंकि वे देशभक्त थे और हिन्दू धर्म में आस्था रखते थे। दुनिया में इतना बर्बर और भयानक नस्लीय नरसंहार अन्यत्र मिलना दुर्लभ है। इस नरसंहार में कश्मीर के जिहादियों तथा अलगाववादियों ने देशभक्त भारतीय मुस्लिमों को भी अपने अत्याचारों का शिकार बनाया। इसके पीछे भारत के संविधान के विभाजनकारी अनुच्छेद 370 का भी योगदान है, जो जम्मू–कश्मीर में अलगाव की मानसिकता को पोषित करता है। भारतीय जनता पार्टी देशभक्त कश्मीरी हिन्दुओं की व्यथा और शहादत को प्रणाम करते हुए कश्मीर के देशभक्त शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करती है तथा हम अपना यह संकल्प दोहराते हैं कि कश्मीरी हिन्दुओं की सुरक्षा और सम्मान सहित घर वापसी अवश्य होगी। घाटी के अलगाववादी कांग्रेस और नेशनल कांन्फ्रेंस की विभाजनकारी नीतियों से ताकत प्राप्त करते हैं। इन पार्टियों को जवाब देना होगा कि घाटी में हिन्दुओं की ससम्मान वापसी के लिए उनकी क्या योजना है? क्या कश्मीर का लोकतंत्र हिन्दुओं की अनुपस्थिति के माहौल में एक धोखा नहीं?

कांग्रेस के पंजे ने गरीबों को जमकर लूटा : नितिन गडकरी

देश के पांच राज्यों – उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर विधानसभा चुनाव के निमित्त प्रचार जोरों पर है। उत्तर प्रदेश में सात चरणों में मतदान होगा। इनके तहत 8 फरवरी, 11 फरवरी, 15 फरवरी, 19 फरवरी, 23 फरवरी, 28 फरवरी, 3 मार्च को वोट डाले जाएंगे। बाकी सभी राज्यों में सिर्फ एक चरण में मतदान होगा। ये राज्य हैं– पंजाब (30 जनवरी), उत्तराखंड (30 जनवरी), गोवा (3 मार्च) और मणिपुर (28 जनवरी)। सभी राज्यों में मतगणना चार मार्च को होगी। हम यहाँ उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब चुनाव–प्रचार को लेकर संक्षिप्त जानकारी प्रकाशित कर रहे हैं:–

Hkkरतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने 21 जनवरी को हरदोई में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए सपा–बसपा–कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया। कांग्रेस पर प्रहार करते हुए उन्होंने सभा में उपस्थित जनता से कहा कि आप ही बताएं कि विकास के धन को हाथी को कौन खिला रहा है। मुलायम के गुण्डाराज को आपने देखा है। उससे जनता को मुक्ति दिलाने के लिए आपने मायावती को अवसर दिया था परन्तु माया ने प्रदेश को लूटने का काम किया, आपको तय करना है कि गुंडाराज, लूट राज, मंहगाई और भ्रष्टाचार से छुटकारा कौन दिला सकता है। इनसे छुटकारा दिलाने के लिए और सुशासन लाने के लिए आपको भाजपा को लाना है।

श्री गडकरी ने कहा कि एनडीए के शासन में पेट्रोल, डीजल खाद व रोजमर्रा के सामान कितने सस्ते थे। आज किसान आत्महत्या कर रहा है युवा बेरोजगार है, बिजली न होने से उद्योग बंद हो रहे हैं। कांग्रेस का नारा सोनिया आई हैं नई रोशनी लाई हैं पर तीखा व्यंग करते हुए उन्होंने कहा है कि रोशनी तो आई नहीं जो भी थी वह भी चली गई। कांग्रेस ने गरीबी हटाओ का नारा दिया तो गरीबों का जीना दूभर हो गया। कांग्रेस के पंजे ने गरीबों को जमकर लूटा। कांग्रेस के मंत्रिमंडल को उन्होंने भ्रष्टाचार की बारात बताया और कहा कि उप्र की मुख्यमंत्री भी किसी से कम नहीं हैं। राम, कृष्ण, गौतमबुद्ध की धरती पर यूपीए व बीसपी राज में हालत यह है कि किसानों को खाद, बिजली तक नहीं मिलती।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मुलायम व मायावती प्रदेश में जाति–पांति और साम्प्रदायिकता का जहर घोल रहे हैं और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने मुलायम और कांग्रेस दोनों से सवाल किया कि 9 प्रतिशत और 18 प्रतिशत मुस्लिमों के आरक्षण पिछड़े, अनुसूचित जाति दोनों में से किसके कोटे से देंगे, आम जनता इसका जवाब चाहती है? उन्होंने अपने संबोधन में सपा–बसपा–कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि इन तीनों दलों को दलितों, मुस्लिम और प्रदेश के विकास से मतलब नहीं है यह सिर्फ वोट की राजनीति कर रहे हैं। यह सब सत्ता के लिए देश को गुमराह करने का काम कर रहे है। इन दलों ने उप्र का सत्यानाश किया है। 18 हजार करोड़ का अनाज सड़ जाता है पर उनके लिए गोदाम नहीं। उप्र के गन्ना किसानों की आमदनी 10 हजार करोड़ सालाना बढ़ सकती है लेकिन उन्नत किस्म का बीज नहीं। गांव में बिजली नहीं, सड़क नहीं, किसानों के खेत में पानी नहीं, युवा हाथ को काम नही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि भाजपा रामराज्य लाना चाहती है, उप्र के गांव, गरीब, किसान, मजदूर के कल्याण के लिए कार्य करना हमारा संकल्प है।

भाजपा वोट बैंक की राजनीति नहीं करती बल्कि विकास और राष्ट्रवाद की राजनीति करती है। उन्होंने कांग्रेस पर आतंकवादियों के तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि राष्ट्र भक्त जाबांज सिपाहियों के शहादत पर राजनीति करने के बजाए प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को बटाला हाउस इनकाउंटर पर चिदम्बरम व दिग्विजय सिंह के बयानों को लेकर सरकार की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। देश के लिए कुर्बानी देने वालों के साथ बेईमानी उचित नहीं। उन्होंने जनता से हरदोई जनपद के सभी भाजपा प्रत्याशियों को अपना वोट देकर जिताने की अपील की और कहा कि उ0प्र0 को आप भाजपा की सरकार दीजिए हम आपको विकास और खुशहाली देंगे।

तुष्टीकरण की नीति देश बांट सकती है : कलराज मिश्र

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद कलराज मिश्र ने 23 जनवरी 2012 को 'संविधान बचाओ, मजहबी आरक्षण हटाओ' अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और कांग्रेस की तुष्टीकरण नीति एक बार फिर देश का बंटवारा करा सकती है।

राजधानी लखनऊ में पार्टी के इस अभियान की अगुवाई करते हुए श्री मिश्र ने मजहबी आरक्षण को संविधान विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार बल्लभ भाई पटेल ने भी संविधान सभा में मजहबी आरक्षण

का विरोध किया थ।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क में लोगों को सम्बोधित करते हुए श्री कलराज मिश्र ने कहा कि आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्मदिन है। नेताजी के जन्मदिन के मौके पर हम सभी लोग संकल्प लें कि अलग राष्ट्र की मांग को लेकर पैदा होने वाली परिस्थतियों को हम समाप्त कर देंगे।

श्री कलराज ने कहा कि कांग्रेस का फैसला पिछड़ों का हक मारने वाला है क्योंकि पिछड़े वर्ग के आरक्षण की परिधि में मुसलमान पहले ही आते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आते ही कांग्रेस ने यह शिगूफा मुसलमानों के वोट बैंक को लामबंद करने के लिए छेड़ा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा देश को पंथ और धर्म के आधार पर नहीं बांटना चाहती बल्कि सभी का विकास और सबको मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराना ही पार्टी का उद्देश्य है।

भ्रष्टाचार बसपा सरकार का प्राथमिक एजेण्डा रहा है : रविशंकर प्रसाद

भारतीय जनता पार्टी के राश्टीय महासचिव और मुख्य प्रवक्ता रवि शंकर प्रसाद ने कांग्रेस महासचिव दिग्विजय सिंह द्वारा बटाला इकाउंटर की जांच फिर से किए जाने की मांग पर प्रतिकिया व्यक्त करते हुए कि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सोनिया गांधी और राहुल गांधी बताएं कि दिग्विजय के बयान पर उनका क्या कहना है ? इस इंकाउंटर के समय दिल्ली के साहसी पुलिस इंस्पेक्टर की मौत भी हुई थी। उन्हे भारत सरकार ने अषोक चक्र से भी नवाजा था। दिग्विजय सिंह अनर्गल बयानबाजी कर आतंककियों को महिमामंडित कर रहे है। दिग्विजय सिंह द्वारा इनकाउंटर को फर्जी करार दिए जाने पर कांग्रेस के बड़े नेता चुप क्यों हैं ? कांग्रेस उ0प्र0 चुनावों में कुछ वोटों की लालच में आतंकियों के साथ समझौता कर ली है ?

श्री प्रसाद ने लखनऊ में 12 जनवरी 2011 को देष में 64 में से 58 साल तक षासन सत्ता में रही कांग्रेस से सीधा सवाल किया है कि कांग्रेस अल्पसंख्यकों के हित के लिए क्या किया है? जिससे अल्पसंख्यकों की स्थिति में सुधार हो सके। उन्होने कहॉ कि कांग्रेस अब उपासना पद्धति के आधार पर अल्पसंख्यकों को आरक्षण देकर प्रदेष की जनता को गुमराह कर रही है। जिसका सीधा असर पिछड़ों पर होगा। सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव और मुख्यमंत्री मायावती पिछड़ों के साथ हो रहे अन्याय पर चुप क्यों है। उन्होंने कहा कि केन्द्र की भ्रष्टाचारी यूपीए सरकार सपा–बसपा की बैशाखी पर टिकी है। उन्होंने प्रश्न किया कि क्या कांग्रेस इस बात का सार्वजनिक रूप से एलान करने को तैयार है कि वह चुनाव बाद सपा–बसपा से कोई समझौता नहीं

करेगी।

श्री प्रसाद ने राज्य की बसपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भ्रष्टाचार इस सरकार का प्राथमिक एजेण्डा रहा है। उन्होने उत्तर प्रदेष की मुख्यमंत्री मायावती पर निषाना साधते हुए सीधा सवाल पूछा किः–

1 मायावती सरकार में कितने दलितों को नौकरी मिली है? और कैसी नौकरी मिली?
2 पांच साल पहले मायावती जब सत्ता संभाली थी आज जब उनकी विदाई हो रही है तो दलितों की गरीबी में कितना सुधार हुआ है।
3 दलित स्त्रियों के प्रसव के दौरान हो रहे मौतों की संख्या में कितनी कमी आई है।
4 सबसे अधिक कुपोशित प्रदेश वाले उत्तर प्रदेश के लिए मायावती ने क्या किया है।
5 मायावती तमाम आरोप के बावजूद नसीमुद्दीन सिद्दकी पर कार्रवाई क्यो नहीं कर रही है
6 यूपी को पांच सालों में क्यों कोई पुरस्कार नहीं मिला?

श्री प्रसाद ने राज्य की बसपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भ्रष्टाचार इस सरकार का प्राथमिक एजेण्डा रहा है। उन्होने उत्तर प्रदेष की मुख्यमंत्री मायावती पर निषाना साधते हुए सीधा सवाल पूछा किः–

1 मायावती सरकार में कितने दलितों को नौकरी मिली है? और कैसी नौकरी मिली?
2 पांच साल पहले मायावती जब सत्ता संभाली थी आज जब उनकी विदाई हो रही है तो दलितों की गरीबी में कितना सुधार हुआ है।
3 दलित स्त्रियों के प्रसव के दौरान हो रहे मौतों की संख्या में कितनी कमी आई है।
4 सबसे अधिक कुपोशित प्रदेश वाले उत्तर प्रदेश के लिए मायावती ने क्या किया है।
5 मायावती तमाम आरोप के बावजूद नसीमुद्दीन सिद्दकी पर कार्रवाई क्यो नहीं कर रही है
6 यूपी को पांच सालों में क्यों कोई पुरस्कार नहीं मिला?

बसपा शासन में क्षेत्र का विकास-कार्य पूरी तरह अवरूद्ध रहा : शाही

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही ने देवरिया मे 20 जनवरी 2012 को सत्ता परिवर्तन पदयात्रा की शुरूआत करते हुए कहा कि बसपा के कार्यकाल में क्षेत्र का विकास कार्य पूरी तरह अवरूद्ध रहा। प्रदेश सरकार ने केवल पार्को एवं मुर्तियों को सजाने एवं संवारने में समय लगाया। किसान बदहाल है, नौजवान बेरोजगारी की वजह से प्रदेश से पलायन कर रहा है। सपा–बसपा की सरकारों की ने प्रदेश की जनता को सिर्फ लूटने एवं छलने का कार्य किया है। प्रदेश की जनता ने इन दलों से चुनाव में हिसाब चुकता करने का मन बना लिया है। सपा की साइकिल और बसपा की हाथी को जनता कैद कर प्रदेश के अन्दर भाजपा के रामराज्य एवं सुशासन की सरकार बनाने में अपना सहयोग प्रदान करेगी।

श्री शाही देवरिया जनपद की विधानसभा पत्थरदेवा में आयोजित सत्ता परिवर्तन पदयात्रा में उपस्थित भारी भीड़ को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश का किसान बदहाल है, बुआई के समय खाद और बीज किसानों को समयसे नहीं मिल पा रहा है। नहरों में हेड से टेल तक पानी की व्यवस्था नहीं है। आज प्रदेश के अन्दर भुखमरी से मौतों का शिलशिला रूकने का नाम नहीं ले रहा है। भाजपा ने अपने शासनकाल में गांव, गरीब किसान, नौजवान के हित में कार्य किया।

श्री शाही ने कहा कि अगर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनती है तो प्रदेश के अन्दर 50 लाख नौजवानों को रोजगार का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। आज उ0प्र0 का विकास अवरूद्ध है, उ0प्र0 बीमारू प्रदेश के रूप में पहचाना जाने लगा है।

उन्होंने आम जनता से भाजपा के पक्ष में लामबंद होने की अपील की तथा लोगों का आहवान किया कि प्रदेश में सुशासन के लिए युवा, बेरोजगार, किसान, मजदूर, महिला, अल्पसंख्यक, बहुसंख्यक की बेहतरी के लिए व प्रदेश के सम्यक विकास के लिए भाजपा के लिए वोट करें तथा भाजपा की बहुमत की सरकार बनाने का संकल्प लें। ■

देश को एक और बंटवारे की ओर ले जा रही है कांग्रेस : नितिन गडकरी

Hkkरतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने धर्म के आधार पर आरक्षण का पुरजोर विरोध किया है। उन्होंने कहा कि देश के संविधान निर्माता भी धर्म आधारित आरक्षण के खिलाफ थे। संविधान सभा में जवाहर लाल नेहरू, मौलाना आजाद, बी.आर. अम्बेडकर, सरदार बल्लभ भाई पटेल सभी ने इस मजहबी आरक्षण की खिलाफत की थी। अतः धर्म के आधार पर आरक्षण संविधान के खिलाफ और अनुचित है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट रूप से व्यवस्था दी है कि 50 फीसदी आरक्षण के ऊपर आरक्षण नहीं हो सकता है।

श्री गडकरी ने 17 जनवरी 2012 को लखनऊ में कहा कि वोट बैंक पॉलिटिक्स के लिए कांग्रेस एक और बंटवारे की ओर ले जा रही है। कांग्रेस अल्पसंख्यकों को आरक्षण 9 फीसदी तक बढाने की बात कर रही है वहीं समाजवादी पार्टी द्वारा इस आरक्षण को 18 फीसदी तक बढ़ाने की घोषणा मुलायम सिंह कर रहे हैं। पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि अल्पसंख्यकों को साढ़े चार फीसदी आरक्षण ओबीसी के कोटे से निकाला गया है। उन्होंने पूछा कि कांग्रेस 9 फीसदी तथा सपा 18 फीसदी अल्पसंख्यकों को आरक्षण कैसे देगी जबकि 50 फीसदी से अधिक आरक्षण संविधान विरोधी होगा जो विधि सम्मत ही नहीं है। इस लोकसभा में संविधान संशोधन के लिए कांग्रेस नीति सरकार के पास आवश्यक दो तिहाई बहुमत भी नहीं है। इस प्रकार से अल्पसंख्यकों के लिए 18 फीसदी आरक्षण मांगकर मुलायम सिंह ओ0बी0सी0 वर्ग के हितों पर कुठाराघात कर रहे हैं। मुलायम और कांग्रेस को बताना चाहिए कि वे ओबीसी के हितों पर किस सीमा तक चोट पहुंचाने के लिए तत्पर हैं। पिछड़ों के आरक्षण से ही निकाल कर अल्पसंख्यकों को देने की बात की जा रही है। साथ ही उन्होंने सूबे की मुख्यमंत्री मायावती से इस पूरे मसले पर अपनी भूमिका एवं मत साफ करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि मौन रहकर मायावती कहीं न कहीं सपा और कांग्रेस को समर्थन दे रही है। पार्टी अध्यक्ष नीतिन गडकरी ने कहा कि गरीबी पूरे भारत की समस्या है। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह कहते है कि देश की सम्पत्ति पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है। जबकि बीजेपी कहती है कि इस पर पहला अधिकार देश के देश के गरीबों का है। चाहे वह किसी संप्रदाय धर्म व जाति के क्यों न हों। बीजेपी उत्तर प्रदेश को बीमारू प्रदेश से सर्वोत्तम प्रदेश बनाना चाहती है। श्री गडकरी ने उत्तर प्रदेश की जनता से अपील की है कि यूपी के विकास के लिए भाजपा का समर्थन करें। कांग्रेस, सपा और बसपा तीनों पार्टियां मिलकर उ0प्र0 को बर्बाद कर रहीं हैं। ये सभी दल केन्द्र में एक साथ है और यूपी में एक–दूसरे के विरोधी बनने का नाटक करते है। जनता को इनके छल को समझना होगा और उ0प्र0 विकास, सुशासन व सामाजिक समरसता का देश में उदाहरण बन सके, इसके लिए भाजपा को समर्थन देने के लिए प्रदेश की जनता से उन्होंने अपील की।

प्रेस को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही ने भारतीय जनवादी पार्टी के साथ गठबंधन की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि जनवादी पार्टी चार विधान सभा क्षेत्रों में भाजपा के साथ मिलकर अपने प्रत्याशी उतारेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा मजहबी आरक्षण के खिलाफ दि0 23 जनवरी को 'मजहबी आरक्षण हटाओ पिछड़ा आरक्षण बचाओ' आंदोलन प्रत्येक जिला स्तर पर करेगी। श्री शाही ने घोषणा की कि भाजपा दि0 20 जनवरी से 30 जनवरी तक प्रत्येक विधानसभा स्तर पर 'सत्ता परिवर्तन पदयात्रा' निकालेगी। ■

लेखा-परीक्षकों द्वारा चीनी मिलों के घोटाले की पुष्टि

भाजपा द्वारा सीबीआई जांच के लिए राज्यपाल से अनुरोध

लेखा–परीक्षकों ने उत्तर प्रदेश सरकार के करोड़ों रुपये के चीनी मिल घोटाले की पुष्टि की है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं घोटाला पर्दाफाश समिति के अध्यक्ष, डा. किरीट सोमैया ने उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री बी. एल. जोशी से अनुरोध

किया है कि वह भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो/सीबीआई को उत्तर प्रदेश के चीनी मिल घोटाले की जांच करने के लिए कहे।

लेखा–परीक्षकों की टिप्पणियों से अब उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चीनी मिलों की बिक्री में निम्न बातों की पुष्टि होती है :–

- अवमूल्यन
- चोरी–छिपे लेन–देन
- गैर–पारदर्शी नीलामी
- टेंडर प्रक्रिया में हेरा–फेरी

अपनी ताजा रिपोर्ट/टिप्पणी में लेखा–परीक्षकों ने गैर–पारदर्शिता और हेरा फेरी से हजारों करोड़ रुपए की हुई हानि की पुष्टि की है। पता चला है कि उत्तर प्रदेश राज्य चीनी निगम लिमिटेड की चीनी मिलों की बिक्री संबंधी अपने पुनरीक्षण में महालेखापाल/लेखा–परीक्षकों ने अनेक मुद्दे उठाये हैं। यह भी पता चला है कि रिपोर्ट उत्तर प्रदेश के राज्यपाल को प्रस्तुत कर दी गई है। डा. सोमैया ने राज्यपाल से अनुरोध किया है कि वह इन दस्तावेजों को सार्वजनिक करे।

राज्यपाल को भेजे गए एक अभ्यावेदन में डा. सोमैया ने अनुरोध किया है कि सीबीआई/भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो जैसी किसी भी एजेंसी को घोटाले की जांच करने के लिए कहा जाए। डा. सोमैया ने यह भी बताया कि भाजपा ने चीनी मिल घोटाले का पर्दाफाश किया और उसने भारत के राष्ट्रपति और उत्तर प्रदेश के राज्यपाल को जुलाई, 2011 में इस संबंध में दस्तावेजी साक्ष्यों सहित विस्तृत ब्यौरा भी भेजा था।

महालेखापाल/लेखा–परीक्षकों द्वारा किये गए पुनरीक्षण/लेखा परीक्षा में भाजपा द्वारा किये गए पर्दाफाश की पुष्टि की गई है। महालेखापाल/लेखा–परीक्षकों की टिप्पणियां इस प्रकार हैं :–

- प्लांट और मशीनरी का 82 करोड़ रुपए का अवमूल्यन किया गया।
- उन 3 चीनी मिलों के मामले में कोई ठोस विचार/मूल्यांकन नहीं किया गया जो मुनाफे में चल रही थीं।
- अवमूल्यन का कारण सहारनपुर चीनी मिलों की पुरानी और नई मिलों की भूमि का दुर्भावपूर्ण क्लबिंग करना था।
- पुरानी सहारनपुर मिलों का भूमि मूल्य 251 करोड़ रुपए आंका गया था। क्लबिंग और हेरा फेरी से मूल्यांकन करके भूमि का 154 करोड़ रुपए का कम मूल्यांकन किया गया।
- बैतालपुर, बाराबंकी, बरेली आदि 11 चीनी मिलों के भूमि मूल्यांकन में हेरा फेरी से 500 करोड़ रुपए की हानि हुई।
- एक ही ग्रुप द्वारा हेरा फेरी से गैर–पारदर्शी बोली के कारण 100 करोड़ से अधिक की हानि हुई।
- उदाहरण के तौर पर बिजनौर, सहारनपुर, बुलंदशहर में अलग–अलग नामों से बोलियां प्राप्त हुई, परंतु उनका मालिक एक ही था।
- इन गैर–पारदर्शी बोलियों के कारण प्रतिस्पर्द्धा नहीं रही जिसकी वजह से इन चीनी मिलों की बिक्री में 300 करोड़ रुपए की हानि हुई।
- 11 मिलों के लिए केवल एकल बोली प्राप्त हुई। पता चला है कि बोगस कंपनियों अर्थात् हल्द्वानी, रामकोला, बाराबंकी, देवरिया स्थित चीनी मिलों से बोली स्वीकार की गई।
- 11 मिलों से केवल 91.61 करोड़ रुपए ही वसूल हुए।

भाजपा मांग करती है कि चुनावों के बाद :–

1. चीनी मिल घोटाले की जांच के आदेश दिए जाएं।
2. गैर–पारदर्शी एवं हेरा फेरी वाली बोलियों को रद्द किए जाएं।
3. विशेष जांच दल का गठन किया जाए।
4. घोटालेबाजों के खिलाफ दाण्डिक कार्यवाही की जाए। ■

उत्तर प्रदेश के चुनाव परिणाम चौंकाने वाले होंगे : नितिन गडकरी

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी ने 'इकॉनामिक टाइम्स' के साथ अपनी बातचीत में चुनाव में अपनी पार्टी की सम्भावनाओं से लेकर संगीत के प्रति गहरी रूचि जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा की। कतिपय उद्धरण प्रस्तुत हैं:

इस बार उ.प्र. में भाजपा के लिए क्या कुछ बदला है?

उ.प्र. के परिणाम हरेक के लिए चौंकाने वाले होंगे। मायावती का समर्थन करने वाला वोट बैंक उनके भ्रष्ट शासन के कारण टूटता जा रहा है। कांग्रेस के प्रति भी गहरा आक्रोश है क्योंकि केन्द्र के शासन में महंगाई और भ्रष्टाचार का मुद्दा छाया रहा है। कांग्रेस अल्पसंख्यकों को मजहब के आधार पर कोटा देने का वायदा कर अलोकप्रिय बन गई है। उसका कहना है कि वह अल्पसंख्यकों को (राज्य में 27 प्रतिशत ओबीसी कोटे में से) 9 प्रतिशत कोटा देगी जबकि सपा तो 18 प्रतिशत से अधिक की बात करती है। संविधान संशोधन के लिए दो–तिहाई बहुमत की आवश्यकता है जो उनके पास है ही नहीं। हम जानना चाहते हैं कि क्या आप ओबीसी का हिस्सा काटेंगे या एस.सी. का हिस्सा? यह उनके अधिकारों का अतिक्रमण है। पिछड़ा वर्ग इससे व्यग्र है। उत्तर प्रदेश में पिछड़े वर्ग के लोगों की संख्या 54 प्रतिशत है।

यदि पंगु विधान सभा बनती है तो क्या आप बसपा के साथ गठबंधन करेंगे?

हम बहुमत की तरह बढ़ रहे हैं। यदि हमें बहुमत प्राप्त नहीं होता है तो हम विपक्ष में रहेंगे। बसपा या सपा के साथ गठबंधन का प्रश्न ही नहीं है क्योंकि ये सभी कांग्रेस के साथ मिले हुए हैं। ये दोनों ही केन्द्र में यूपीए सरकार को जरूरत पड़ने पर बचाने में लगे हुए हैं जैसा कि हमने 2008 में विश्वासमत और पिछले वर्ष 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले पर लोकलेखा समिति के दौरान देखा है। सीबीआई ने मुलायम सिंह यादव और मायावती के खिलाफ शपथ–पत्र बदल कर दुरूपयोग किया है। ये दिल्ली में मित्र और लखनऊ में शत्रु दिखाई देते हैं। ये तो एक ही सिक्के के दो नहीं, बल्कि तीन पहलू हैं। जहां कांग्रेस और सपा मुस्लिम कोटा की बात करती है, वहीं मायावती पिछड़े वर्गों के प्रति हो रहे अन्याय पर चुप रहती हैं।

यदि उत्तराखण्ड में बसपा 'किंग मेकर' की भूमिका में होती है तो?

हम वहां सरकार बनाएंगे। बसपा की जरूरत का तो प्रश्न ही नहीं है।

क्या भाजपा के लिए दीर्घावधि में बसपा और सपा से दूर रहना उचित रहेगा?

हमारा बसपा और सपा के साथ किसी तरह की वैचारिक साम्यता नहीं है। हमारा वोट–बैंक उनके साथ गठबंधन को स्वीकार नहीं करेगा।

आपके दृष्टिकोण पत्र में न तो ओबीसी पर और न ही राम मंदिर मुद्दे पर कहीं कोई आक्रामक स्थिति की झलक दिखाई नहीं पड़ती है?

दृष्टिपत्र में अगले 25 वर्षों में पार्टी की दिशा क्या रहेगी, इसका उल्लेख मिलता है। हमने कहा है कि हम जाति, मजहब या लिंग के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करते हैं। जहां तक राम मंदिर का सम्बन्ध है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपना फैसला सुना दिया है। हम इसे राजनैतिक विषय नहीं बनाना चाहते हैं। राम हमारी श्रद्धा का विषय है और मंदिर हमारी आत्मा

की आवाज है। हम राम मंदिर निर्माण के प्रति वचनबद्ध है और यदि मस्जिद का निर्माण विवादित क्षेत्र के बाहर होता है तो हमें कोई दिक्कत नहीं है।

क्या आप समझते हैं कि ओबीसी नेता एनआरएचएम घोटाले में दागी बाबूसिंह कुशवाह के प्रवेश से भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान के चलते हुए पार्टी को लाभ होगा या उससे अधिक नुकसान नहीं होगा?

उन्होंने स्वयं ही अपनी सदस्यता स्थगित कर दी हैं अब यह अध्याय बंद हो चुका है।

उमा भारती को मुख्यमंत्री पद के प्रत्याशी के रूप में क्यों नहीं दिखाया गया है?

मैंने कहा है कि चुनाव के बाद पार्टी विधायक फैसला लेंगे। हम राज्य में चार नेताओं के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं, राजनाथ सिंह, उमा भारती, सूर्यप्रताप शाही और कलराज मिश्रा।

उ.प्र. चुनाव परिणामों का प्रभाव कहां तक राष्ट्रीय राजनीति पर पड़ेगा?

यह राजनीति के भविष्य पर गहरा प्रभाव डालेगा। आखिर, यहां से लोकसभा के 80 प्रतिनिधि चुनकर संसद में भेजे जाते हैं।

क्या आप समझते हैं कि तृणमूल और एआईएडीएमके पार्टियां आपकी तरफ बढ़ रही हैं?

यदि हम लोकसभा सीटों पर 170 से अधिक सीटें प्राप्त कर लेते हैं तो हमारे पुराने साथी फिर से हमारे साथ मिल जाएंगे।

२०१४ के चुनावों को देखते हुए भाजपा का विशेष ध्यान किस पर रहेगा?

हम अपनी पार्टी का आधार उन क्षेत्रों में बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं जहां यह आधार कम है।

क्या आप भाजपा के प्रधानमंत्री के उम्मीदवार की दौड़ में शामिल हैं?

मैं महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ नहीं हूं। मेरे लिए राजनीति सामाजिक–आर्थिक सुधार लाने का साधन मात्र है और मैं इसी दिशा में कार्य कर रहा हूं। जब समय आएगा तो हम निर्णय करेंगे कि कौन प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार होगा। चुनाव से पूर्व किसी व्यक्ति का नाम हो सकता है, परन्तु यह स्थिति पर निर्भर करेगा। यदि यह स्थिति चुनाव के बाद बनती है तो वह संख्या के आधार पर तय होगा।

आप दो वर्ष तक अध्यक्ष पद पर रहे हैं.....?

इससे पूर्व मेरे लिए सब कुछ नया था। मैंने बहुत कुछ सीखा है, परन्तु मैं इन सबमें से कुछ क्षण निकाल लेता हूं और अपने ही संसार में पहुंच जाता हूं... संगीत सुनता हूं। मुझे मलयालम और तेलुगु गीतों का भी शौक है। मैं गाता भी हूं, कभी मुकेश के गाने, लक्की अली और गुलाम अली के गाने! मुझे गुलजार का वह दार्शनिक गीत बहुत पसंद है– ''तुझ से नाराज नहीं जिंदगी...''

अवैध बांग्लादेशियों के पीछे वोट बैंक की राजनीति : अदालत

दिल्ली की एक अदालत ने कहा है कि 'संकीर्ण वोट–बैंक की राजनीति' ने सरकार को देश में रह रहे उन तीन करोड़ बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ 'कड़ी कार्रवाई' करने से रोक रखा है जो यहां पर अवैध रूप से रहने के साथ ही उन लाभों का आनंद उठा रहे हैं जो कि भारतीय नागरिकों के लिए हैं।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश कामिनी लाऊ ने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के वास्तविक नागरिक घोर गरीबी झेल रहे हैं, वहीं मात्र वोट बैंक की राजनीति सरकार को उन तीन करोड़ बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कठोर और कड़ी कार्रवाई करने से रोकती है जो कि हमारे देश में अवैध रूप से रहते हुए उन सभी सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं जो कि यहां के नागरिकों के लिए हैं। इसके चलते अदालत को इस मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा है।''

अदालत ने यह टिप्पणी एक बांग्लादेशी नागरिक को चार वर्ष कैद की सजा सुनाते हुए की जिसे यहां पर अवैध रूप से रहने के लिए दोषी करार दिया गया था। अदालत ने कहा कि दोषी करार दिया गया फजलू यहां पर कई अन्य आपराधिक मामलों में शामिल था।

उसने अपना परिवार बांग्लादेश में रखा है लेकिन उसने भारत में आने के लिए दोनों देशों के बीच सीमा का इस्तेमाल किया।

(साभार : पंजाब केसरी)

भ्रष्टाचारमुक्त शासन के लिए भाजपा ही एकमात्र विकल्प : राजनाथ सिंह

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह प्रभावी वक्ता, कुशल संगठनकर्ता एवं योग्य प्रशासक के तौर पर जाने जाते हैं। भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे श्री सिंह पार्टी संगठन में जहां अनेक दायित्वों को संभाल चुके हैं वहीं उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री एवं राजग शासन के दौरान केन्द्रीय कृषि मंत्री के नाते भी आपने उल्लेखनीय कार्य किया है। पिछले दिनों श्री सिंह से उनके नई दिल्ली स्थित निवास पर 'कमल संदेश' की ओर से Mk- f'ko'kfDr cDlh ,oa lrho dekj flUgk *ने बातचीत की। श्री राजनाथ सिंह का कहना है कि सपा, बसपा और कांग्रेस की विश्वसनीयता समाप्त हो चुकी है क्योंकि इनके शासन में गुंडाराज और भ्रष्टाचार से प्रदेश की जनता त्रस्त रहती है जबकि भाजपा सरकार को प्रदेश में स्वच्छ प्रशासन देने का गौरव प्राप्त है। प्रस्तुत है बातचीत के प्रमुख अंश–*

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हैं। इस चुनाव में प्रदेश और राष्ट्रीय राजनीति के संदर्भ में आपको क्या उम्मीदें हैं?

भारतीय जनता पार्टी का प्रयत्न है कि उत्तर प्रदेश में पार्टी को स्पष्ट बहुमत हासिल हो। भाजपा की वहां सरकार बने। और इस चुनाव में राष्ट्रीय राजनीति की भूमिका का जहां तक प्रश्न है, तो निस्संदेह यह महत्वपूर्ण है क्योंकि देश का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश है। संसद के दोनों सदनों में यदि सबसे बड़ी भागीदारी किसी राज्य का होता है तो उत्तर प्रदेश का होता है। इसलिए राष्ट्रीय राजनीति में इसकी उल्लेखनीय भूमिका होना, यह स्वाभाविक है। लेकिन भारत की राजनीति में हमारे जितने भी राज्य हैं, छोटे हैं अथवा बड़े हैं, सबकी अपनी भूमिका है और भले ही जनसंख्या की दृष्टि से कोई छोटा राज्य हो लेकिन किसी बड़े राज्य की तुलना में उसकी भूमिका को कम करके आंकना, यह न्यायोचित नहीं होगा।

भारतीय जनता पार्टी की भी सरकार उत्तर प्रदेश में रही। उस समय पार्टी ने प्रदेश में विकास और सुशासन लाने के लिए कौन-कौन से कदम उठाए?

भ्रष्टाचार का आरोप हमारी सरकार के ऊपर नहीं लगा, यह सबसे बड़ी बात है। और मैं समझता हूं कि किसी भी सरकार को, किसी भी मुख्यमंत्री और मंत्री को इससे बचना चाहिए। क्योंकि यदि भ्रष्टाचार के आरोप किसी सरकार, मुख्यमंत्री या मंत्री पर लगते हैं तो उस सरकार की विश्वसनीयता तो समाप्त हो ही जाती है उस नेता की भी विश्वसनीयता समाप्त होती है। और मनुष्य के जीवन में विश्वसनीयता से बड़ी कोई निधि नहीं हो सकती। हर मुख्यमंत्री अपने विजन के आधार पर विकास–कार्य करता ही है। मैंने भी कुछ किया लेकिन जो अपने द्वारा थोड़ा–बहुत किया जाय उसकी बहुत चर्चा नहीं करनी चाहिए।

पिछले पांच वर्षों में प्रदेश में मायावती का शासन रहा। तो पार्टी किन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जा रही है?

आम जनता भ्रष्टाचार के कारण पूरी तरह से त्रस्त रही है। विकास–कार्य पूरी तरह से ठप्प हो गए। कानून–व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर हो गई। मतलब उत्तर प्रदेश में ऐसा महसूस ही नहीं होता है कि यहां कोई शासन है। अराजक स्थिति पैदा हो गई है। अब इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि हजारों करोड़ों रूपए केवल पार्कों और मूर्तियां बनाने पर खर्च हो गए। और मैं समझता हूं कि उतने पैसे यदि जरूरी मुद्दों पर खर्च किए गए होते तो कई लाख बेरोजगार नौजवानों के हाथों को रोजगार मिल गए होते। विद्युत का संकट भी बढ़ा है। विकास के संदर्भों में मैं मानता हूं कि पहली शर्त होती है– बिजली, सड़क और पानी की सुविधा उपलब्ध कराना और पांच साल तक स्थायी सरकार

रहने के बावजूद पहली शर्त को भी यह सरकार पूरा नहीं कर पाई।

कांग्रेस इस चुनाव में पूरा जोर लगा रही है। जबकि केन्द्र में उसके नेतृत्व में संप्रग सरकार है। इस दौरान भ्रष्टाचार, लोकपाल, कालाधन बड़ा मुद्दा बना है। तो क्या इसका भी असर चुनाव पर पड़ेगा?

कांग्रेस अपने राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। और मुझे नहीं लगता कि कांग्रेस को वहां कोई सफलता प्राप्त होगी। वैसे गत पांच–सात वर्षों में जैसा भ्रष्टाचार केन्द्र शासन में हुआ है वह स्वतंत्र भारत के इतिहास में भ्रष्टाचार के मामले में एक नया कीर्तिमान स्थापित करता है। और इससे सिर्फ कांग्रेस की साख गिरी हो, मैं ऐसा नहीं मानता, पार्टी की साख गिर जाए उसका इतना महत्व नहीं है, दुनिया की नजरों में भारत की साख गिरी है। और यदि भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप न करना पड़ा होता, स्वयं कांग्रेस ने भी कदम उठाए होते तब भी मैं समझता हूं कि देश की जनता का विश्वास कांग्रेस पर किसी न किसी हद तक रहता और जितनी साख भ्रष्टाचार के सवाल को लेकर सारे विश्व में भारत की गिरी है, वह न गिरती। काश! कांग्रेस स्वयं यदि यह कदम उठाया होता तो कम से कम यह तो होता कि इनकी नीयत साफ है।

सपा ने भी हाल ही में उत्तर प्रदेश में शासन किया। बसपा का अभी शासन चल रहा है और केन्द्र में कांग्रेस शासन। ऐसे में भाजपा जनता के बीच अपने को विकल्प के रूप में कैसे ले जाएगी?

मैं समझता हूं कि तीनों सरकार की उपलब्धियों की यदि तुलना करें तो स्वाभाविक रूप से जनता भाजपा को स्वीकार करेगी। वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार एक अहम मुद्दा बना है। सपा–बसपा के प्रमुखों पर आय से अधिक संपत्ति के मामले में सीबीआई जांच चल रही है। गंगोत्री ही गंदी हो जाय तो फिर क्या कहना?

बसपा सरकार में किसानों की क्या स्थिति रही? भट्टा परसौल में किसानों के साथ हुए अन्याय के मामले में आपने स्वयं किसानों के पक्ष में आवाज बुलंद की।

किसानों के संबंध में तो बसपा सरकार की कोई नीति ही नहीं है। बसपा शासन में किसान का जबर्दस्त शोषण हुआ है। भूमि अधिग्रहण के मामले में बड़े–बड़े बिल्डर्स को लाभ पहुंचा।

ओबीसी कोटे में अल्पसंख्यक आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इस पर आप क्या कहेंगे?

मजहब के नाम पर आरक्षण नहीं होना चाहिए। मैंने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में सर्वाधिक अति पिछड़े और अति दलितों के लिए आरक्षण की व्यवस्था दी थी। उसमें मैंने हिन्दू और मुसलमानों के नाम पर भेदभाव नहीं किया था। बल्कि मंडल आयोग की अनुशंसा जिन–जिन मुस्लिम जातियों को आरक्षण देने की थी, उन सारी मुस्लिम जातियों को पिछड़े और अन्य पिछड़े में न रखकर सर्वाधिक पिछड़े वर्ग में रखा था और उन्हें 14 फीसदी आरक्षण दिया था। अभी महीने भर पहले पायोनियर और कुछ अखबारों में आपने भी रिपोर्ट पढ़ी होगी कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी कहा है कि आरक्षण का राजनाथ सिंह फॉर्म्यूला लागू किया जाना चाहिए।

पार्टी उत्तराखण्ड विधानसभा चुनाव में भी आपके मार्गदर्शन में चुनाव लड़ रही है। क्या स्थिति देखते है आप वहां पर?

हम उत्तराखण्ड में दुबारा सरकार बनाएंगे। क्योंकि वहां निशंकजी और खंडूरी जी के नेतृत्व में अच्छे काम हुए हैं। खंडूरी जी ने फिर से मुख्यमंत्री पद संभालते ही सरकार की साख और विश्वसनीयता और बढ़ाई है। उन्होंने भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए लोकायुक्त बिल और सिटिजन चार्टर लागू करके उल्लेखनीय कार्य किया है।

पिछले वर्ष देश में कालाधन के मुद्दे पर बाबा रामदेव और लोकपाल के मसले पर अन्ना हजारे के नेतृत्व में जनांदोलन हुए हैं। लेकिन केन्द्र सरकार के द्वारा इसे पूरी तरह कुचलने का प्रयास किया गया। अभी जो पांच विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं तो इस पर इसका क्या असर पड़ेगा?

भ्रष्टाचार के सवाल को लेकर बाबा रामदेव और अन्ना हजारे के नेतृत्व में जो आंदोलन चल रहे हैं, इसे मैं राजनीतिक लाभ या हानि की दृष्टि से नहीं देखता। और मैं यह मानता हूं कि किसी राजनीतिक पार्टी को ऐसे आंदोलनों को राजनीतिक लाभ या हानि की दृष्टि से नहीं देखना चाहिए। जैसे भ्रष्टाचार को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन, स्वदेशी को लेकर चलाया जा रहा आंदोलन, भारत की संस्कृति और अस्मिता को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन को राजनीतिक लाभ या हानि की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए।

अभी पांच राज्यों के आसन्न विधानसभा चुनावों को लेकर आप प्रदेश की जनता से क्या कहना चाहेंगे? पार्टी कार्यकर्ताओं को क्या संदेश देना चाहेंगे?

मैं जनता से यही अपील करूंगा कि भारतीय जनता पार्टी को उनका समर्थन और विश्वास हासिल हो। हम उनकी अपेक्षाओं की कसौटी पर पूरी तरह से खरा उतरने के लिए प्राण–पण से कोशिश करेंगे। ■

प्रदेश की जनता फिर सिखाएगी कांग्रेस को सबक : नितिन गडकरी

कांग्रेस नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पिछले कुछ समय में आम जनता का विश्वास खोया है और जिस देश की सरकार ने जनता का विश्वास खो दिया, उसे सत्ता में रहने का कोई हक नहीं है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी ने जालंधर में 24 जनवरी 2012 को अमृतसर में आयोजित रैली के दौरान उक्त बात कहते हुए कहा कि पंजाब विधानसभा चुनाव आने वाले समय में केंद्र सरकार का भविष्य तय करेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता का कांग्रेस के खिलाफ फरमान ही केंद्र सरकार के खिलाफ फरमान साबित होगा। काले धन पर बोलते हुए श्री गडकरी ने कहा कि विदेशों से काला धन वापस लाने की बात तो दूर, केंद्र सरकार अभी तक काले धन के मालिकों के नाम ही उजागर नहीं कर पाई है। इस कारण केंद्र सरकार की मंशा साफ तौर पर सामने आ गई है।

श्री गडकरी ने कहा कि घोटालों का 'राजा' अगर जेल में बैठा है तो 'महाराजा' पी. चिदम्बरम बाहर क्यों बैठा है? उसका भी जेल जाना बहुत जरूरी है क्योंकि घोटालों में उसका भी हाथ है। उन्होंने कहा कि इससे केंद्र सरकार की कथनी व करनी में अंतर स्पष्ट होता है। उन्होंने कहा कि घोटालों में चिदम्बरम का नाम आने के बाद केंद्र सरकार ने चुप्पी साध ली है। उन्होंने कहा कि चिदम्बरम का भ्रष्ट चेहरा दुनिया के सामने नंगा हो चुका है। उधर अमृतसर में ट्रेड एंड इंडस्ट्री के कार्यक्रम में श्री गडकरी ने कहा कि

यदि देश को सुनहरे भविष्य की ओर ले जाना है तो राजनीतिक व्यवस्था बदलनी होगी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक व्यवस्था बदलने के लिए आवश्यक है कि अच्छे व ईमानदार तथा बेदाग छवि वाले राजनीतिज्ञ आगे आएं। उन्होंने कहा कि सरकार की स्थिति मृतशैया पर पड़े व्यक्ति जैसी है जो मरी भी नहीं है परन्तु मृतक जैसी दिखाई पड़ती है। प्रधानमंत्री मूकदर्शक बन देश में हो रहे भ्रष्टाचार, घपलों पर चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत प्रगति के मामले में दूसरे देशों से पिछड़ रहा है।

घोषणापत्र जारी : मजबूत लोकायुक्त लाने का वादा

पंजाब को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के वादे के साथ भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव के लिए 24 जनवरी 2012 को घोषणा पत्र जारी कर दिया। पार्टी ने मजबूत लोकायुक्त लाने का वादा किया है। हर वर्ग के विकास के साथ ही उद्योग–व्यापार, शिक्षा व कृषि क्षेत्र में सुधार के कई वादे किए हैं। यहां घोषणा पत्र जारी करते हुए भाजपा के राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष अरुण जेटली ने कहा कि यह अकाली दल के घोषणा पत्र से काफी मेल खाता है चूंकि दोनों का लक्ष्य एक ही है। उन्होंने कहा कि पंजाब में अकाली दल के साथ उनकी सरकार गठबंधन की एक मिसाल है। जो भी वादे पिछले साल किए गए थे, वे पूरे किए गए हैं। ये वादे भी पूरे किए जाएंगे। उनके साथ इस अवसर पर पार्टी के पंजाब चुनाव प्रभारी जगत प्रकाश नड्डा, सांसद अविनाश राय खन्ना व नवजोत सिंह सिद्धू, प्रदेश महासचिव कमल शर्मा और उपाध्यक्ष विनोद शर्मा समेत कई नेता मौजूद थे।

भाजपा का घोषणा-पत्र : मुख्य बिंदु

किसानों को ट्यूबवेल के कनेक्शन की सुविधा जारी रहेगी। कृषि फसल बीमा योजना को सुचारू रूप से लागू किया जाएगा। शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को और सरल बनाएंगे। शिक्षा का व्यापारीकरण नहीं होने दिया जाएगा। हिंदी, पंजाबी व सभी भाषाओं की जननी संस्कृत को बढ़ावा दिया जाएगा। नैतिक शिक्षा स्कूल व कालेज स्तर पर लागू की जाएगी। प्राइमरी से कंप्यूटर शिक्षा लागू की जाएगी।

जिला स्तर पर सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों की स्थापना को और तेज किया जाएगा। कैंसर व अन्य क्रोनिक रोगों से पीड़ित मरीजों को इलाज के लिए सुविधा दी जाएगी।

शिक्षा, सेहत के क्षेत्र में एनआरआई के निवेश को प्रोत्साहित किया जाएगा। ट्रेवल एजेंटों पर लगाम लगाई जाएगी।

एडवोकेट बार रूम में और सुविधाएं दी जाएंगी। वकीलों को पंजाब के ट्रिब्यूनल व उच्चतम पदों पर नियुक्त किया जाएगा।

बड़े शहरों में रिंग रोड व बाइपास बनाने के कार्य को प्राथमिकता दी जाएगी। परिवहन सेवा को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक बसें चलाई जाएंगी। रोडवेज का आधुनिकीकरण होगा। लुधियाना हवाई अड्डे का और आधुनिकीकरण किया जाएगा। दलित/पिछड़ा वर्ग के बेघर परिवार को पांच मरला जमीन देने की योजना बनेगी। शगुन स्कीम जारी रहेगी।

मीडिया की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाएगी। प्रमुख शहरों में प्रेस क्लब बनाए जाएंगे। सरकारी अस्पतालों में मुत इलाज की सुविधा मिलेगी। एक्रडीशन पालिसी को सरल बनाया जाएगा। ग्रुप हाउसिंग की सुविधा प्रदान की जाएगी। टोल टैक्स में छूट दी जाएगी।

महिलाओं को रक्षाबंधन पर निःशुल्क बस सेवा प्रदान की जाएगी। महिला कर्मचारियों को एक साल की मेटरनिटी लीव की सुविधा दी जाएगी। कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया जारी रहेगी। सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं का निपटारा किया जाएगा। समयबद्ध सीमा में पे कमीशन लागू होगा। अस्थाई कर्मचारियों को नियमित किया जाएगा। व्यवस्था कानून व्यवस्था में सुधार की प्रक्रिया को और सुधारा जाएगा। हिरासत में रखे लोगों की मौत पर दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। महिलाओं व बच्चों के प्रति बढ़ रहे अपराध पर नकेल डाली जाएगी।

महिला भ्रूणहत्या रोकने के लिए पीएनडीटी एक्ट को और मजबूत किया जाएगा। महिलाओं के खिलाफ अत्याचार से निपटा जाएगा। एनआरआई वैवाहिक महिलाओं की समस्याओं को निपटाने की विशेष व्यवस्था की जाएगी।

स्वामी दयानंद सरस्वती के गुरु स्वामी विरजानंद जी की जन्मस्थली करतारपुर में बने स्मारक को भव्य बनाया जाएगा। ओम जय जगदीश हरे के लेखक श्रद्धाराम फिल्लौरी के जन्मस्थल पर भव्य स्मारक बनाया जाएगा। उद्योग व व्यापार बोर्डों को और विस्तार दिया जाएगा। औद्योगिक कलस्टर बनाए जाएंगे। औद्योगिक इलाकों में प्रदर्शनी स्थल बनाए जाएंगे। दिल्ली मुंबई औद्योगिक कारीडोर को अमृतसर से जोड़ने के लिए केन्द्र पर दबाव डाला जाएगा। चुंगी माफी जारी रहेगी। नए उद्योग के लिए सिंगल विंडो सिस्टम बनाया जाएगा। आयकर नीति में परिवर्तन किया जाएगा। सीएलयू की प्रक्रिया को सरल किया जाएगा। स्माल सेक्ल इंडस्ट्री व एग्रो इंडस्ट्री को रियायती दरों पर बिजली दी जाएगी।

सड़क, सीवरेज, लाई ओवर के नए प्रोजेक्ट व पुराने पर चल रहे काम निपटाए जाएंगे। 100 फीसदी पीने का पानी उपलब्ध करवाया जाएगा। छोटे घरों में सीवरेज व पानी के बिल माफ रहेंगे। सालिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्टों को अमलीजामा पहनाया जाएगा। मान्यता प्राप्त कालोनियों को बुनियादी सुविधाएं। ई पेमेंट की सुविधा मिलेगी। लुधियाना व अमृतसर में मोनो रेल की सुविधा मिलेगी। शीघ्र न्याय देने की व्यवस्था को तेजी से लागू करेंगे। गरीबों को निःशुल्क कानूनी सहायता दी जाएगी, ताकि उन्हें न्याय मिल सके।

गौ रक्षा को लेकर बने विकास बोर्ड के काम को और तेज किया जाएगा।

खेल क्लबों की सालाना ग्रांट जारी रहेगी। पंजाब का नाम ऊंचा करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत और सम्मानित किया जाएगा। शिक्षण संस्थाओं में पारम्परिक खेलों को भी लागू किया जाएगा। सार्वजनिक रिहायशी योजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। कमजोर व पिछड़ों को विशेष सुविधा दी जाएगी।

लोकायुक्त को मजबूत किया जाएगा। सरकारी कर्मचारियों व राजनेताओं द्वारा आय से अधिक बनाई गई संपत्ति को सरकारी संपत्ति घोषित किया जाएगा। सभी श्रेणी के मुलाजिमों को लोकायुक्त के दायरे में लाया जाएगा। शिकायतों का तत्काल निपटारा होगा। सेवा का अधिकार कानून के तहत और सेवाएं दी जाएंगी। लोगों को महंगाई से राहत प्रदान की जाएगी। सस्ता आटा, दाल स्कीम का नया सर्वे करवा और लोगों को सुविधा दी जाएगी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और सुविधाजनक बनाया जाएगा। डीजल व पेट्रोल से चुंगी हटाई जाएगी। जमाखोरी व कालाबाजारी पर नियंत्रण होगा। बेरोजगारी से निजात दिलाने के लिए रिक्त पदों को भरा जाएगा। बेरोजगारों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। ■

'घोटालों की जननी कांग्रेस को भ्रष्टाचार पर बोलने का हक नहीं'

Hkkजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी ने कहा कि घोटालों की जननी कांग्रेस को भ्रष्टाचार पर बोलने का कोई हक नहीं है। केंद्र की मनमोहन सरकार की गलत नीतियों से देश कमजोर हुआ है। स्पेक्ट्रम, आदर्श सोसायटी, कॉमनवेल्थ गेम घोटालों के लिए केंद्र सरकार पर तीखे प्रहार किए। श्री गडकरी ने कहा कि जनता की गाढ़ी कमाई की बर्बादी व देश में व्याप्त भ्रष्टाचार कांग्रेस की देन है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा

उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तराखंड की तरक्की में रोड़ा अटकाने की नीयत से ही औद्योगिक पैकेज बंद किया गया। श्री गडकरी ने कहा मुख्यमंत्री खंडूड़ी ने भ्रष्टाचार मुक्त शासन को सशक्त लोकायुक्त बिल पास कराकर नजीर पेश की है।

श्री गडकरी सोमेश्वर तथा चौखुटिया में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में 22 जनवरी 2012 को हुई चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने टूजी कि देश की सर्वोच्च संस्था संसद पर हमले के मुख्य आरोपी अफजल गुरू को फांसी दिलाने की ताकत कमजोर प्रधानमंत्री के पास नहीं है। बढ़ती महंगाई पर चुटकी लेते हुए श्री गडकरी ने कहा कि आज देश में गरीब लोगों की गरीबी तो दूर नहीं हुई, मगर कांगेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं की गरीबी जरूर दूर हुई। बाटला हाउस कांड को कांग्रेस नेताओं द्वारा फर्जी बताये जाने को उन्होंने शहीद का अपमान बताया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तराखंड की खंडूड़ी सरकार ने सशक्त लोकायुक्त बिल पास करा अन्य राज्यों को भी प्रेरणा दी है। समृद्ध व विकसित उत्तराखंड बनाने के लिए खंडूड़ी ही सक्षम हैं।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री श्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि भाजपा विकासपरक सोच रखती है। उन्होंने कहा जिस सोच के साथ राज्य गठन हुआ, उसे साकार करने के लिए भाजपा को पुनः सत्ता में लाना जरूरी है। इस दौरान पूर्व भाजपा अध्यक्ष श्री बची सिंह रावत व पार्टी प्रत्याशी समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

मां-बेटे की पार्टी है कांग्रेस

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी ने कहा कि विदेशों में जमा काले धन को भारत वापस लाकर उसे विकास की मुख्य धारा में लगाना है। इसके लिए जनता का सहयोग चाहिये। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश को पर्यटन हब के रूप में विकसित करने की बात कही। गत 22 जनवरी 2012 को बेतालघाट स्थित राजकीय इंटर कालेज के मैदान पर नैनीताल विधानसभा प्रत्याशी श्री हेम आर्य के समर्थन में आयोजित जनसभा में श्री गडकरी ने कहा कि भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जिसमें नितिन गडकरी जैसा दरी बिछाने व पोस्टर चिपकाने वाला कार्यकर्ता पार्टी का

राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है।

श्री गडकरी ने जनता से अपील की कि वह किसी भाजपा प्रत्याशी मात्र के लिए वोट नहीं मांग रहे हैं बल्कि देश में बुरी तरह फैले भ्रष्टाचार को मिटाने एवं उत्तराखंड के विकास के लिए वोट मांग रहे हैं। श्री गडकरी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल की याद दिलाते हुए कहा कि उनके शासन में आम व्यक्ति भी खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहा था। जबकि आज यूपीए सरकार वजह से गरीबों की कमाई का पैसा भ्रष्ट नेताओं की जेब में कैद है। इसका जवाब जनता को देना है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता अलग–अलग बयान देकर जनता को बेवकूफ बना रहे हैं। अफजल को मेहमान की तरह पाल रही है। जबकि यह देशहित के लिए कुठाराघात है। कांग्रेस मां–बेटे की और सपा पिता–पुत्र की और बसपा मायावी पार्टी है। इसे जनता समझ चुकी है। इस स्थिति में देश में केवल भाजपा ही श्रेष्ठ पार्टी है। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, पूर्व सांसद बलराज पासी, विधायक खड़क सिंह बोहरा, जिलाध्यक्ष भुवन हर्बोला, शांति मेहरा, मनोज साह, गोपाल जैड़ा आदि उपस्थित थे। संचालन दीप चन्द्र सती ने किया।

आरक्षण के नाम पर वोट बैंक की राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण : डॉ. जोशी

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने प्रधानमंत्री व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ने उत्तराखंड की उपेक्षा की। यहां पर केवल विकास न होने की बात कहकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने कांग्रेस के साथ ही सपा व बसपा पर भी हमलावर होते हुए कहा कि तीनों दल विकास के नाम पर नहीं बल्कि आरक्षण की नाम पर वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं।

22 जनवरी 2012 को हल्द्वानी में पत्रकारों से वार्ता करते हुए डॉ. जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह व कांग्रेस सुप्रीमो सोनिया गांधी उत्तराखंड में जनता को भ्रमित कर रहे हैं। कांग्रेस, सपा व बसपा तीनों दलों को विकास की राजनीति करनी चाहिये लेकिन ओबीसी आरक्षण को लेकर जनता को बरगलाने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व भाजपा के पांच साल के विकास कार्यों की तुलना की जाय तो भाजपा सरकार के विकास कार्य कई गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार में शामिल हो चुकी है। इसी सरकार की वजह से भारत की पूरी दुनिया में बदनामी हो रही है।

ऐसे नेताओं को वोट देने से पहले जनता को सावधानी बरतनी होगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के दो ट्रक शराब पकड़े गए थे। इस स्थिति ऐसी पार्टी को चुनाव लड़ने का कोई अधिकार नहीं होना चाहिये। इस सरकार में विदेश मंत्री पर अवैध खनन के आरोप लगे हैं।

यूपीए सरकार के मंत्री कॉमनवेल्थ घोटाला, टूजी स्पेक्ट्रम घोटाला के आरोप में जेल में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए उत्तराखंड का विकास प्राथमिकता में है।

भाजपा के घोषणा पत्र में हर क्षेत्र की योजना है। इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता गजराज बिष्ट, पूरन शर्मा, प्रदेश महामंत्री सुरेश जोशी, जिलाध्यक्ष दीपक मेहरा, राजेश मल्होत्रा, मीडिया प्रभारी सुरेश तिवारी, विजय बिष्ट आदि उपस्थित थे। ■

भाजपा का सुशासन के संग कदम बढ़ाने का वादा

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तराखंड विधानसभा चुनाव को लेकर जारी घोषणापत्र में भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासन और सुशासन के लिए शुरू की गई मुहिम जारी रखने का संकल्प जताया। वहीं भ्रष्टाचार उजागर करने वाले नागरिकों को 'व्हिसिल ब्लोअर एक्ट' बनाकर सुरक्षा देने का वादा किया गया। घोषणापत्र में आम आदमी की खुशहाली, दो लाख युवाओं को सालाना रोजगार देने, बिजली का तीन गुना उत्पादन बढ़ाने, गांवों, किसानों, शिक्षकों, कर्मचारियों समेत तकरीबन हर वर्ग के मतदाताओं से समर्थन पाने के वादे शामिल किए गए हैं।

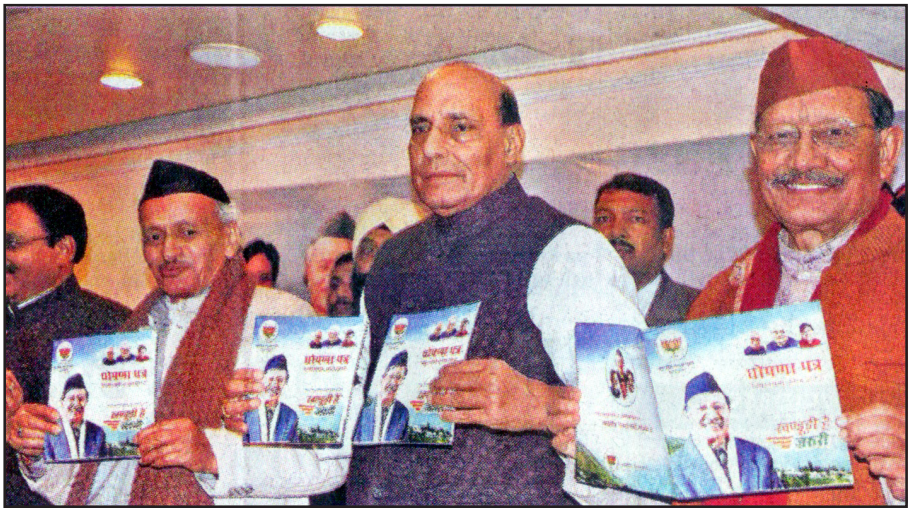

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री धर्मेंद्र प्रधान, मुख्यमंत्री भुवनचंद्र खंडूड़ी, पूर्व मुख्यमंत्री व चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष भगत सिंह कोश्यारी, रमेश पोखरियाल निशंक, पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री बची सिंह रावत की मौजूदगी में 16 जनवरी 2012 को देहरादून में वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव का घोषणापत्र जारी किया गया।

पार्टी ने घोषणापत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ आखिरी तीन महीने में शुरू की गई मुहिम को आगे बढ़ाने को लोकायुक्त विधेयक का सख्ती से पालन, सिटीजन चार्टर को पूरी तरह प्रभावी बनाने और सुराज, भ्रष्टाचार निवारण व जन सेवा विभाग का ढांचा तैयार कर पारदर्शी व्यवस्था का वादा करते हुए मतदाताओं का दर खटखटाया है। घोषणापत्र में पांच साल के सरकार के तजुर्बे को ध्यान में रखकर अब जनता के बीच संजीदगी से पहुंचने की चाह दिखाई गई है। उन घोषणाओं को ज्यादा तवज्जो मिली, जो लागू करने के साथ ही राजनीतिक रूप से व्यावहारिक पाई गई। पार्टी ने मुख्य रूप से आर्थिक विकास दर सालाना दस से 12 फीसदी रखते हुए प्रति व्यक्ति आय की सालाना आमदनी 64 हजार रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये करने, सत्ता के विकेंद्रीकरण के लिए पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और नगर निकायों को ज्यादा स्वायत्त बनाने, विकास कार्यों की निगरानी स्थानीय स्तर पर लोगों द्वारा करने का वादा किया।

किसानों की समस्याओं के समाधान को किसान आयोग के गठन, गांवों से पलायन रोकने को कृषि क्षेत्र को रोजगारोन्मुखी बनाने, खेती की जमीन के संरक्षण को दीर्घकालिक व ठोस नीति बनाने व वृद्ध व अशक्त किसानों को पेंशन पर जोर है। अगले पांच साल में बिजली उत्पादन में तीन गुना वृद्धि, रोस्टिंगमुक्त बिजली आपूर्ति, गैस आधारित ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

प्राइमरी से उच्च शिक्षा तक गुणवत्ता के लिए एकीकृत शिक्षा नीति, शिक्षा आयोग के गठन, एजुकेशन हब, प्राइमरी शिक्षक के लिए इंटर तक पदोन्नति की व्यवस्था के साथ ही अल्मोड़ा, रुद्रपुर व देहरादून में मेडिकल कालेजों का जल्द निर्माण को प्राथमिकता दी है।

कुल 44 पेज के घोषणापत्र में संकल्प और कार्ययोजना के 30 पेज में वन, पर्यावरण, पर्यटन, शिक्षा, जल, खाद्य आपूर्ति, उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, सहकारिता को मजबूत करने के वादों से मतदाताओं का समर्थन पाने की कोशिश की गई है। वहीं मतांतरण रोकने के लिए कानून और राज्य आंदोलनकारियों का योगदान बताने को संग्रहालय गठित करने पर जोर दिया गया है। ■

Jh आर. के. मेहरा, उनके सुपुत्र कपिश मेहरा और रुपा पब्लिकेशनस् द्वारा 11 खण्डों के 'इनसायक्लोपीडिया ऑफ हिंदुज्म' का प्रकाशन करने पर हार्दिक अभिनन्दन, जिसे 'हिन्दुस्तान टाइम्स' में समीक्षक इंद्रजीत हाजरा ने 'विचारों के इतिहास और उसकी गहराई में रुचि रखने वालों के लिए यह आश्चर्यों से भरा खजाना है' के रुप में वर्णित किया है।

हाजरा ने आर.के. मेहरा द्वारा उन्हें बताए गए इस कथन को उद्धृत किया है कि वह इनसाक्लोपीडिया को "अपने कैरियर का सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रकाशन" मानते हैं। 'हिन्दुस्तान टाइम्स' ने इस समीक्षा को इस प्रमुख शीर्षक के साथ प्रकाशित किया है:'हिन्दुज्म एक बौद्धिक पद्वति है, रिलीजन नहीं' (Hinduism is an Intellectual System, not a Religion).

उपरोक्त शीर्षक इन खण्डों को सम्पादित संग्रहित और सभी की प्रूफ रीडिंग करने वाले डा. कपिल कपूर की टिप्पणियों में से लिया गया है। जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर डा. कपूर इसके मुख्य सम्पादक हैं।

जे.एन.यू के पूर्व प्रो–वाइस चांसलर और विश्वविद्यालय में तुलनात्मक भाषा विज्ञान पढ़ाने वाले प्रोफेसर ने कहा है:"हिन्दुज्म में कोई धार्मिक मूलग्रंथ नहीं है। इसे गहराई और व्यापकता से व्याख्यायित किया गया है।"

इनसाइक्लोपीडिया ऑफ हिन्दुज्म की प्रेरणा 1987 में अमेरिका के पिट्टसबर्ग, पेन्नसिलवनिया के हिन्दु–जैन मंदिर में सम्पन्न सहस्त्र शिवलिंग अभिषेक से मिली। परमार्थ निकेतन आश्रम, ऋषिकेश (उत्तराखण्ड) के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती सहित अनेक प्रतिष्ठित आध्यात्मिक विद्वानों ने इसमें भाग लिया।

इस विचार को अधिकारिक, समग्र और इनसायक्लोपीडिया ऑफ हिन्दुज्म को अद्यतन बनाने के उद्देश्य से 21 नवम्बर, 1987 को स्वामी चिदानन्द की अध्यक्षता में 'इण्डिया हरिटेज रिसर्च फाउण्डेशन' की स्थापना की गई। साध्वी भगवती सरस्वती को इसका सचिव बनाया गया। स्वामीजी ने इनसायक्लोपीडिया के मुख्य संपादक के रूप में वर्जीनिया विश्वविद्यालय के प्रसिध्द एवं सम्मानित प्रोफेसर डा. शेषगिरी राव को चुना।

1987 से 1992 के बीच में स्वामीजी और डा. राव ने दुनिया भर में हिन्दुज्म और भारतीय प्राच्य शिक्षा के प्रमुख विद्वानों से विचार–विमर्श किया। सैंकड़ों विद्वानों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम गठित की गई। मुख्य संपादक डा. के.एल. शेषगिरी राव और एडिटर–इन–चीफ भारत के डा. विद्या निवास मिश्र द्वारा 1989 में सम्पादकों और सहयोगी सम्पादकों का प्रारम्भिक बोर्ड गठित किया गया। विभिन्न चरणों में आवश्यकतानुसार क्षेत्रीय निदेशक भी इस टीम में जोड़े गए। अमेरिका और कनाडा से चार कार्यकारी सम्पादकों–डा. सुभाष काक, डा. वी.वी. रमन, डा. रामा राव पप्पू और डा. टी.एस. रुकमणी ने पुनर्समीक्षा, सम्पादन और जहां आवश्यकता पड़ी वहां पुनः लिखने का काम किया।

इनसायक्लोपीडिया की तरफ से आई.एच.आर.एफ. द्वारा 1998 में न्यूयार्क में आयोजित एक कार्यक्रम

इनसाइक्लोपीडिया ऑफ हिन्दुज्म की प्रेरणा 1987 में अमेरिका के पिट्टसबर्ग, पेन्नसिलवनिया के हिन्दु–जैन मंदिर में सम्पन्न सहस्त्र शिवलिंग अभिषेक से मिली। परमार्थ निकेतन आश्रम, ऋषिकेश (उत्तराखण्ड) के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती सहित अनेक प्रतिष्ठित आध्यात्मिक विद्वानों ने इसमें भाग लिया।

को सम्माननीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने सुशोभित किया। श्री वाजपेयी ने इस कार्य की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कहा, "आपके उपक्रम को सही ही संज्ञा दी गई है: 'तीसरी सहस्त्राब्दी की परियोजना'। यह दुःसाध्य कार्य है। वस्तुतः यह एक ज्ञान यज्ञ है। अतः वे सभी जिन्होंने इस यज्ञ की सफलता के लिए अपना समय, प्रतिभा और विद्वता आहूति के रुप में समर्पित की है, वे हमारी हार्दिक प्रशंसा और अभिनन्दन के पात्र हैं।"

सन् 2006 की शुरुआत में ही, अंग्रेजी के प्रोफेसर और संस्कृत के प्रोफेसर डा. कपिल कपूर जो उसी समय जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय से रेक्टर के पद से निवृत्त हुए थे, ने इसे मुख्य सम्पादक के रुप में संभाला।

पहले खण्ड की प्रस्तावना के रुप में लिखे गए डा. कर्ण सिंह के चवालीस पृष्ठीय विद्वतापूर्ण पृष्ठों का शुरुआती पैरा निम्न है:

"हिन्दुइज्म के नाम से जाना जाने वाला रिलीजन निश्चित रुप से दुनिया के महान रिलीजनों में से प्राचीनतम और सर्वाधिक व्यापक है। 'हिन्दुइज्म' शब्द अपने आप में एक भौगोलिक संदर्भ है जो भारत के उत्तरी सीमान्त से बहने वाली महान सिंधु नदी के संस्कृत नाम पर आधारित है। इस नदी के दूसरी तरफ रहने वाले लोगों के लिए, सिंधु का दक्षिण–पूर्वी समूचा भाग, जिसे ग्रीक इण्डस कहते हैं, हिन्दुओं की भूमि के रुप में जाना जाता है और यहां फले–फूले अन्य पंथों ने हिन्दुइज्म नाम अंगीकृत किया। वास्तव में, हिन्दुइज्म अपने को सनातन धर्म, शाश्वत धर्म, कहता है, क्योंकि यह किसी एक मात्र धर्मगुः के उपदेशों पर आधारित नहीं है अपितु भारतीय सभ्यता के आदि काल से ही अनेक संतों और ऋषियों की सामूहिक विद्वता और प्रेरणा पर आधारित है।"

यद्यपि हिन्दुइज्म के विभिन्न पक्षों और ग्रंथों पर अनेक उत्कृष्ट पुस्तकें होगीं, और व्यापक प्रस्तुति के भी कुछ प्रयास हुए होंगे, मगर इनसायक्लोपीडिया के स्तर का कोई प्रयास अभी तक नहीं हुआ है। निश्चित रुप से दुनिया भर में यह पुस्तकालयों और विश्वविद्यालयों के लिए आवश्यक संग्रहणीय होगा ही अपितु उन हिन्दुओं के लिए भी संग्रहणीय होगा जो इस पुस्तकों के अद्‌भुत सेट की संजोकर रखने के शौकीन हैं।

डा. कर्ण सिंह की निष्कर्ष रुप टिप्पणी इस प्रकार है:

"व्यापक ग्यारह खण्डों वाले इनसायक्लोपीडिया ऑफ हिन्दुइज्म का बहुप्रतीक्षित प्रकाशन एक मुख्य प्रकाशन है। अनेक वर्षों की विद्वत्ता, संगठन और समर्पण इसको तैयार करने में लगा जोकि हिन्दु अनुसंधान का महत्वपूर्ण मील का पत्थर बना है। यद्यपि हिन्दुइज्म के विभिन्न पक्षों और ग्रंथों पर अनेक उत्कृष्ट पुस्तकें होगीं, और व्यापक प्रस्तुति के भी कुछ प्रयास हुए होंगे, मगर इनसायक्लोपीडिया के स्तर का कोई प्रयास अभी तक नहीं हुआ है। निश्चित रुप से दुनिया भर में यह पुस्तकालयों और विश्वविद्यालयों के लिए आवश्यक संग्रहणीय होगा ही अपितु उन हिन्दुओं के लिए भी संग्रहणीय होगा जो इस पुस्तकों के अद्‌भुत सेट की संजोकर रखने के शौकीन हैं।

इस इनसायक्लोपीडिया के कारण सम्पादकों, लेखकों और प्रकाशकों ने महान आध्यत्मिक उत्कृष्टता अर्जित की है। यह मेरी आशा है कि यह न केवल हिन्दुओं में महान हिन्दू धर्म को अच्छी तरह से समझने में सहायक होगा अपितु धर्मों और विभिन्न परस्पर–धार्मिक आंदोलनों का अध्ययन करने में रुचि रखने वालों के लिए भी सहायक सिद्ध होगा।"

इंद्रजीत हाजरा ने अपने लेख (हिन्दुस्तान टाइम्स, जनवरी 14, 2012) की शुरुआत रुपा पब्लिकेशन्स ग्रुप के चेयरमैन आर.के. मेहरा के साथ "घर के बने शाकाहारी भोजन की स्वादिष्ट व्यंजनों' पर हुई बातचीत से की है। इस प्रोजेक्ट की सफलता के बारे में हाजरा ने अपनी आशंका छुपाई नहीं है जबकि राजन मेहरा ने उन्हें इस तरह के काम में 'प्रोफेशनलिज्म पर कोई समझौता न करने' की बात समझाने की कोशिश की है, जिसके चलते इस महाकार संग्रह का प्रकाशन हो सका।

अपने को 'गैर–कर्मकाण्डी हिन्दू नास्तिक' मानने वाले हाजरा, लगता है डा. कपिल कपूर से संवाद करने के बाद, अपने आरम्भिक निराशावाद से मुक्त हो गए। डा. कपूर ने उन्हें बताया "यहां तक कि अधिकांश ब्राह्मण विद्वानों की भी उनके बारे में नहीं पता जिन्हें वह हिन्दू कहते हैं। परमाणु विज्ञान की भांति, वास्तव में हिन्दुइज्म ज्ञान की एक पद्धति है और यह इनसायक्लोपीडिया विद्वानों और विचारों के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न तत्वों की व्याख्या करता है।"

हाजरा ने अपनी समीक्षा में लिखा है:

"निस्संदेह, भोजन में स्वादिष्ट व्यंजन का मजा अलग ही है। इसी प्रकार यह इनसायक्लोपीडिया मेरे जैसे गैर–कर्मकाण्डी हिन्दू नास्तिक के लिए है। इसका फार्मेट सीधा है और इनसायक्लोपीडिया ब्रिटानिका जैसा है। पहले खण्ड 'अबाधित ज्ञान' से दसवें खण्ड में जीरोस्टर (जीरोस्टरइज्म के संस्थापक) तक प्रविष्टियां स्पष्ट, पृष्ठभूमि और अग्रभूमि बताती हैं तथा संदर्भ सूची अद्वैत और न्यसेपलाटोनइज्म भी सम्मिलित है।

प्रकाशन शानदार है जैसाकि खण्डों में चित्रों की गुणवत्ता है। 'धमपद' (थेरेवदा बुद्धिइज्म का मुख्य ग्रंथ), 'चिपको आंदोलन' (भारत में वनों का विनाश होने से रोकने के लिए संगठित पर्यावरण आंदोलन) और साथ–साथ 'सौर मण्डल' (सौर प्रणाली) सहित प्रविष्टियां स्पष्ट रुप से यह इनसायक्लोपीडिया हिन्दुइज्म की संकीर्ण मजहबी संदर्भ में व्याख्या नहीं करता।"

टेलपीस (पश्च्य लेख)

आज के भारत में लोकतंत्रप्रेमियों के लिए 18 जनवरी का दिन कभी न भुलाने वाला है। आज के दिन से भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के अंधकारमय अध्याय के अन्त की शुरुआत हुई थी।

सन् 1977 में आज ही के दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1976 में होने वाले चुनावों को कराने का निर्णय किया था जिन्हें आपातकाल के चलते स्थगित कर दिया गया था। मेरी जेल डायरी जो 'ए प्रिजनर्स स्क्रैप बुक' (A Prisoner's Scrap&book) शीर्षक से प्रकाशित हुई है, में इसे इस तरह दर्ज किया गया है:

"लगभग 1.30 बजे दोपहर बंगलौर जेल सुपरिटेण्डेंट मेरे कक्ष में आए और कहा कि मेरे गिरफ्तारी आदेश को रद्द करने वाला वायरलेस संदेश नई दिल्ली से प्राप्त हुआ है (मुझे 26 जून, 1975 को यानी 17 महीने पूर्व गिरफ्तार किया गया था)"

जेल से रिहा होने से कुछ क्षण पूर्व मुझे उन पत्रों का पुलिंदा दिया गया जो मुझे नहीं दिए गए थे। इसमें लगभग 600 पत्र थे जो विदेशों से आए थे। उनमें से अधिकांश क्रिसमस या नव वर्ष बधाई कार्ड्स थे। लेकिन प्रत्येक पर एक या दो पंक्तियां लिखी हुईं थी।

उसका एक नमूना – हालैण्ड के एम्सटर्डम से किन्हीं लॉरी हेंड्रिक्स का क्रिसमस कार्ड था। उन्होंने लिखा था "स्वतंत्रता और आशा साथ–साथ नहीं चलते। वे तुम्हारी स्वतंत्रता चुरा सकते हैं लेकिन तुम्हारी आशा नहीं ले सकते।"

हां, उन्होंने 600 मिलियन लोगों की स्वतंत्रता चुरा ली, लेकिन वे उनकी आशाएं नष्ट नहीं कर पाए!

मार्च, 1997 में हुए चुनावों में, भारत के लोगों ने अपने मत से लोकतंत्र को पुनः स्थापित किया, जिस पर उन्नीस महीनों से ग्रहण लगा था। ■

पिछड़े वर्ग आरक्षण को धार्मिक आधार पर बांटना असंवैधानिक

भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव द्वारा 13 जनवरी, 2012 को जारी प्रेस वक्तव्य

केन्द्र की यू.पी.ए. सरकार द्वारा पिछड़े वर्ग आरक्षण को धार्मिक आधार पर विभाजित किया गया है, जो कि असंवैधानिक ही नहीं बल्कि सामाजिक न्याय की अवधारणा के खिलाफ है। सरकार ने इस आरक्षण को करते समय पिछड़ा वर्ग आयोग से ना तो कोई सलाह ली, ना ही किसी संवैधानिक प्रावधानों का पालन किया है।

पिछड़ा वर्ग आरक्षण शैक्षिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़े वर्ग को प्रदान किया जाता है। अगर ये सभी वर्ग एक ही श्रेणी के अंतर्गत आते हैं तो उनके धार्मिक आधार पर विभाजन का कोई औचित्य नजर नहीं आता।

रंगनाथ मिश्रा आयोग की रिपोर्ट की सिफारिशें उचित नहीं है। परन्तु रंगनाथ मिश्रा आयोग में प्रकाशित सरकार के तथ्यों को देखा जाए तो केन्द्र की पिछड़ी जाति की सूची में 2083 जातियां हिन्दूओं में पिछड़ी जातियां हैं जबकि मुस्लिमों के 55 वर्गों को पिछड़े वर्ग के रूप में चिन्हित किया गया है। विगत वर्षों में पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा अपने नियमों के तहत आवेदन आने पर धार्मिक अल्पसंख्यकों के वर्ग को पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल किया गया है। जिस पर किसी भी प्रकार का भेदभाव का आरोप नहीं हैं फिर भी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग की अनदेखी की है।

सरकार द्वारा 4.5 प्रतिशत आरक्षण धार्मिक वर्ग के आधार पर मान्यता देना उत्तरप्रदेश चुनाव के मद्देनजर वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित हैं। केन्द्रीय सरकार सामाजिक न्याय की अवधारणा को लागू करने में विफल रही है।

सरकार द्वारा इस पिछड़े वर्ग के कोटे में अल्पसंख्यकों के आरक्षण में वृद्धि करने का दावा भी किया जा रहा है। सरकार रंगनाथ मिश्रा कमीशन के रिपोर्ट की सिफारिशों के माध्यम से अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को भी छीनना चाहती है। यह दुर्भाग्य की बात हैं कि पिछड़े वर्ग एवं अनुसूचित जातियों के कल्याण का दावा करने वाली समाजवादी पार्टी एवं बहुजन समाजवादी पार्टी इस विषय पर मौन है।

भारतीय जनता पार्टी केन्द्र सरकार के धार्मिक आधार पर आरक्षण के निर्णय का विरोध करती है। पार्टी पिछड़े वर्ग के सामाजिक न्याय हेतु संघर्ष करेगी जो पार्टी की समतामूलक भारतीय समाज बनाने की निष्ठा पर आधारित है। ■

भाजपा 2012 को युवा संकल्प वर्ष के रूप में बनाएगी-नितिन गडकरी

Hkkरत के 51 करोड़ युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानन्द की 150वीं जयन्ती पर 12 जनवरी 2012 को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित भव्य कार्यक्रम में घोषणा की कि वर्ष 2012 को पार्टी युवा संकल्प वर्ष के रूप में मनाएगी। वर्ष भर देश के सभी राज्यों और राजधानी दिल्ली में युवा कार्यक्रमों की धूम रहेगी। भाजपा के युवा कार्यकर्ता इस दौरान समाज के अंतिम छोर पर खड़े हताश, निराश लोगों की आशा की किरण बनेंगे। वे साल भर समाज सेवा, चरित्र निर्माण, देशभक्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन तथा व्यक्तित्व निर्माण के कार्यों में जुटेंगे ताकि स्वामी विवेकानन्द के सपनों का एक नया उज्ज्वल भारत का निर्माण किया जा सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष श्री विजेन्द्र गुप्ता ने की। कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली प्रदेश भाजपा ने किया था।

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री श्री अनंत कुमार, महामंत्री संगठन श्री राम लाल, मंत्री वाणी त्रिपाठी, श्याम जाजू, प्रदेश सह–संयोजक रामेश्वर चौरसिया तथा पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री गडकरी ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द देश के युवाओं में निराशा, कमजोरी, भय तथा ईर्ष्या के चिह्न भी देखना नहीं चाहते थे। इसीलिए उन्होंने साफ कहा था कि भारत के युवाओं, जीवन में लक्ष्य निर्धारित करो। याद रखो तुम सदैव सत्य का पालन करोगे। अंत में विजय तुम्हारी ही होगी। उन्होंने कहा था कि भावी भारत का भविष्य इस देश के युवाओं की कार्यशैली पर निर्भर है। स्वामी जी ने कहा था 'हमें भारत से कुछ ऐसे युवा चाहिए जो देश की खातिर अपना सब कुछ न्यौछावर करने को तैयार हों। जिस दिन ऐसा होगा सफलता भारत के कदम चूमेगी।' इन्हीं वाक्यों को आधार बनाकर भाजपा ने वर्ष 2012 को भारत के विकास को समर्पित वर्ष के रूप में मनाने का आह्वान युवा पीढ़ी से किया है।

जयन्ती समारोह के अध्यक्ष श्री विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए विचारों की स्पष्टता, सही दिशा और दिशा–निर्देश चाहिए। यदि हम स्वामी विवेकानन्द के ओजस्वी विचारों को सदैव ध्यान में रखें और अपने दिन की शुरूआत स्वामी जी के चित्र दर्शन तथा उनके बताए रास्ते पर चलने के संकल्प से करें तो आज के युवा सामाजिक संरचना और हमारी समाज व्यवस्था में पनप रहे विरोधाभासों का सामना करके देश को एक विकसित राष्ट्र बना सकते हैं। सौभाग्य है कि आज भारत की 125 करोड़ आबादी में से 51 करोड़ लोग 13 से 35 वर्ष की आयु के हैं। यदि इन 51 करोड़ युवाओं में से 10 प्रतिशत भी अपना जीवन देश को समर्पित कर दें तो भारत एक बार फिर सोने की चिड़िया बनकर समस्त विश्व का मार्गदर्शन कर सकता है।■

भाजपा का समर्थन मतलब तेलंगाना का गठन : नितिन गडकरी

gekj; lokknnkrk }kjk

Hkkरतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी ने तेलंगाना की जनता से आग्रह किया है कि वे 2014 में क्षेत्र में अलग राज्य तेलंगाना बनाने जाने की दशकों पुरानी चली आ रही मांग पर भाजपा का पूरे हृदय से समर्थन करें। उन्होंने संकल्प व्यक्त किया कि भाजपा ही तेलंगाना का गठन कर सकती है और कोई पार्टी नहीं।

गत 19 जनवरी 2012 को महबूबनगर जिले के मक्थल से भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री जी. किशन रेड्डी द्वारा शुरू की गई तेलंगाना पोरू यात्रा में भाग लेते हुए श्री नितिन गडकरी ने लोगों को याद दिलाया कि किस प्रकार से यूपीए चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी और प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह ने 9 दिसम्बर 2009 को केन्द्रीय गृहमंत्री द्वारा तेलंगाना के अलग राज्य के गठन की प्रक्रिया की घोषणा करने के बाद लोगों की आशाओं पर पानी फेर दिया है।

श्री नितिन गडकरी ने आगे कहा कि "आप अपनी सभी समस्याओं के समाधान के लिए कांग्रेस को समाप्त करने का निश्चय कर लें जिनमें आपके खेतों तक पानी पहुंचाना और सभी जरूरतमंदों का रोजगार प्रदान करना भी शामिल है और हम वायदा करते हैं कि यदि भाजपा सत्ता में आती है तो तेलंगाना राज्य देकर रहेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि लोगों के समर्थन से ही कांग्रेस को आंध्र प्रदेश में सत्ता मिली, जिसमें तेलंगाना भी शामिल था और इसी कारण केन्द्र में सरकार का गठन हो सका।

कांग्रेस को वोट देने का मतलब तेलंगाना के खिलाफ वोट देना होगा। उन्होंने लोगों को चेताया और पुनः कहा कि यदि कांग्रेस–नीत यूपीए सरकार केन्द्र में आगामी बजट सत्र में संसद में तेलंगाना बिल प्रस्तुत करती है तो भाजपा उसका समर्थन करेगी। उन्होंने लोगों को स्मरण कराया कि जब भाजपा केन्द्र में सत्ता में थी तो उसने तीन राज्यों का गठन बिना किसी संकोच के कर दिया था।

श्री गडकरी ने कहा कि भाजपा नौ राज्यों में देश के लोगों की 36 प्रतिशत आबादी के समर्थन से शासन चलाती है और मुझे विश्वास है कि आगामी 2014 के चुनावों में पार्टी सत्ता में आएगी और तेलंगाना का गठन किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस तथा टीडीपी पर आरोप लगाया कि ये ही दल सभी समस्याओं तथा तेलंगाना के पिछड़ेपन के जिम्मेदार हैं और इन्हीं के कारण क्षेत्र में सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध न होने

के कारण किसान आत्महत्याएं कर रहे हैं। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री किशन रेड्डी ने इससे पूर्व कृष्णा गांव से यात्रा आरम्भ करते हुए कांग्रेस तथा टीडीपी पर आरोप लगाया कि ये दल तेलंगाना पर चार मुंही बातें और दोहरे सिद्धांतों पर चल रहे हैं।

इस यात्रा का उद्देश्य तेलंगाना मुद्दे पर कांग्रेस और टीडीपी की पोल खोलना तथा जन–जागरण करना है।

तेलंगाना संयुक्त कार्य समिति के चेयरपर्सन श्री एम.कोडाद्रम, संस्थापक, मदिगा रिजर्वेशन पोटता समिति मांडा श्री कृष्ण मदिगा, तेलंगाना नगर समिति के नगम जनार्दन रेड्डी तथा अन्य नेता भी शामिल थे। ■

यह यात्रा ग्राम क्षेत्रों में खुशहाली का नया संदेश देगी - शिवराजसिंह चौहान

Hkkरतीय जनता पार्टी, किसान मोर्चा, मध्य प्रदेश ने किसानों के हित में 16 जनवरी 2012 से 21 जनवरी 2012 तक 'बलराम शिवराज संदेश यात्रा' के माध्यम से 50 हजार गांवों में जनसम्पर्क कर इतिहास रचा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

ने भोपाल जिले के 200 ग्राम केन्द्रों से पहुंचे भाजपा किसान मोर्चा के बलराम संदेश यात्रा किसान प्रहरियों को ग्रामों की ओर रवाना करते हुए झण्डी दिखाई। उन्होंने कहा कि 'बलराम संदेश यात्रा' दोहरा उद्देश्य पूर्ण करेंगी।

मध्यप्रदेश में किसानी को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए जो क्रांतिकारी पहल की गई है। उसका संदेश गांव–गांव, टोले–टोले के किसान को दिया जायेगा। मध्यप्रदेश सरकार ने 1 प्रतिशत ब्याज पर किसानों को कर्ज देने की जो व्यवस्था की है। देश के किसी राज्य में अथवा विश्व के किसी कोने में किसानों के लिए ऐसी उदार व्यवस्था कहीं भी अभी तक नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद करते समय 100 रू. और धान पर 50 रू. क्विंटल का विशेष बोनस दिया है। जिसकी राष्ट्रीय विकास परिषद की बैठक में भूरि–भूरि प्रशंसा की गई है। इसी तरह जो भी कार्य मध्यप्रदेश में हुए उनकी जानकारी किसानों तक पहुंचाने के लिए बलराम संदेश यात्रा संदेश वाहक का कार्य करेगी। मध्यप्रदेश में हो रहे विकास ने कांग्रेस का चैन हराम कर दिया है।

राजनैतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित होकर कांग्रेस केन्द्र सरकार के माध्यम से मध्यप्रदेश के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। मध्यप्रदेश में बिजली, खाद की कमी जैसी समस्याएं केन्द्र सरकार की देन है। इस पक्षपातपूर्ण रवैये में कांग्रेस का विशेष हाथ है यह बात भी किसानों तक पहुंचाने का काम यात्रा करेगी।

बलराम–शिवराज संदेश यात्रा को वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री, सांसद कैलाश जोशी ने भी संबोधित किया। उन्होनें कहा कि मध्यप्रदेश में किसान जो संकट झेल रहे है उसकी भूमिका कांग्रेस ने केन्द्र सरकार को प्रेरित करके लिखी है।

कांग्रेस अपनी गलत भूमिका के लिए दोषी है, यह बात हर किसान तक पंहुचाना लाजिमी है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय

महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी अनंत कुमार ने इंदौर स्थित राऊ के उमिया माता से किसान मोर्चा की बलराम–शिवराज संदेश यात्रा को रवाना करते हुए कहा कि प्रदेश का किसान अकेला नहीं है अपितु दक्षिण भारत और पूरा देश आपके साथ है। बलराम–शिवराज संदेश यात्रा को एक अनूठी यात्रा बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा की यह किसानों के लिए की गई पहल गिनीज बुक ऑफ रिकार्ड में शामिल हो जायेगी। प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार किसानों की सरकार है, और भारतीय जनता पार्टी किसान हितैषी पार्टी है। कांग्रेस खास व्यक्तियों की पार्टी है। पूरे देश में कहीं भी किसी भी प्रदेश ने किसानों को 1 प्रतिशत ब्याज पर ऋण नहीं दिया जाता है, परंतु मध्यप्रदेश पहला ऐसा राज्य है जहां लाखों किसानों को कम ब्याज दर पर ऋण दिया जा रहा है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, सांसद प्रभात झा ने कहा कि मध्यप्रदेश में गांव, किसान, गरीब और मजदूर ने भारतीय जनता पार्टी में विश्वास व्यक्त किया है, और सरकार बनाई है। राज्य सरकार की नीतियों की धूरी भी यही है। मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी की सरकार से कांग्रेस का विरोध हो सकता है। कांग्रेस को वैचारिक आधार पर अथवा राजनैतिक आधार पर इसका समाधान खोजना चाहिए। कांग्रेस वैचारिक आधार पर इतनी असहाय हो चुकी है कि वह प्रदेश की साढ़े सात करोड़ जनता को दंडित करके अपना राजनैतिक लक्ष्य पूरा करना चाहती है। जो बहुत ही अलोकतांत्रिक और अनैतिक है। भाजपा सरकार कांग्रेस की दया पर नहीं जनता के समर्थन से कायम है। सरकार ने मध्यप्रदेश के किसानों को राहत प्रदान की है।

1 प्रतिशत ब्याज पर किसानों को ऋण दिया जा रहा है। गेंहू और धान के समर्थन मूल्य पर 100 रू. और 50 रू. क्विंटल का विशेष बोनस दिया गया। जिसकी केन्द्र के कृषि और खाद्य मंत्री शरद पवार ने भूरि–भूरि प्रशंसा की है। लेकिन कांग्रेस प्रदेश के किसानों की खुशहाली नहीं देख पा रही है। कांग्रेस अपने राजनैतिक प्रतिशोध का बदला किसानों से ले रही है यह बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री प्रभात झा ने उज्जैन में बलराम–शिवराज संदेश यात्रा में 4 हजार मोटरसाइकिलों को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि इस समय देश संक्रमण काल से गुजर रहा है। गांवों से शहरों की ओर पलायन की प्रवत्ति बढ़ रही है। और केन्द्र सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी है। मध्यप्रदेश में किसानों के हक में हुए रचनात्मक कार्यों को कांग्रेस पचा नहीं पा रही है। यात्रा के माध्यम से मध्यप्रदेश में गांव और सशक्तिकरण के कार्यों का संदेश जन–जन तक पहुंचाया जायेगा।यात्रा का राजनैतिक उददेश्य नही है। इसका उददेश्य गांव और किसान से सरोकार जोड़ना और सामाजिकता के ताने–बाने को मजबूत बनाना है।

कार्यक्रम को मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बडी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। ■

'पिछड़े वर्ग के हितों पर कुठाराघात कर रही कांग्रेस-सपा-बसपा'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मुख्तार अब्बास नकवी ने धर्म के नाम पर आरक्षण एवं आतंकवाद पर तीखे सवाल पूछते हुए कांग्रेस से कहा है कि दिग्विजय–सलमान से किनारा करने के बजाय ''बाटला हाऊस आतंकवादी घटना एवं धार्मिक आरक्षण'' पर अपने विचार साफ करे। श्री नकवी ने कहा कि कांग्रेस मात्र यह कह कर कि कांग्रेस के ताकतवर महामंत्री एवं केन्द्र सरकार के महत्वपूर्ण मंत्री के विचार निजी हैं तो, कांग्रेस बताए कि धार्मिक आरक्षण एवं बाटला हाऊस आतंकवादी घटना पर उसके क्या विचार हैं? श्री नकवी ने कहा कि कांग्रेस को यह भी साफ करना चाहिए कि 27 प्रतिशत पिछड़ों के कोटे से 4.5 प्रतिशत धर्म के नाम पर की गई कटौती क्या किसी का व्यक्तिगत निर्णय था या केन्द्र सरकार का सामूहिक फैसला? क्या 27 प्रतिशत पिछड़ों के आरक्षण से 9 प्रतिशत धर्म के आधार पर आरक्षण की घोषणा किसी का व्यक्तिगत एजेंडा है या कांग्रेस के एजेंडे घोषणा–पत्र का हिस्सा? श्री नकवी ने कहा कि साथ ही सपा–बसपा को भी साफ करना चाहिए कि पिछड़ों के हक को मार, उनके स्वाभिमान पर हमला कर, उनके 27 प्रतिशत आरक्षण धर्म के नाम पर ''डकैती'' पर उनका क्या रूख है? ''बाटला हाऊस'' की आतंकवादी घटना पर भी सपा–बसपा अपने रूख को साथ करें, क्योंकि यह मुद्दा ''आतंकवाद बनाम राष्ट्रीय सुरक्षा'' का है। श्री नकवी ने कहा कि कांग्रेस–सपा–बसपा को यह भी बताना चाहिए कि पिछड़े वर्ग को मिल रहे 27 प्रतिशत आरक्षण में क्या मुसलमानों के पिछड़े वर्ग शामिल नहीं थे? उन्हें 27 प्रतिशत हक से वंचित कर 4.5 तक सीमित करने के पीछे क्या मुसलमानों का प्रगति की मुख्यधारा से अलग–थलग करने का खतरनाक षड्यंत्र नहीं है? क्या इस राजनैतिक साजिश से समाज में टकराव–बिखराव का माहौल नहीं बनेगा? ■